



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

(6/7/87)

पं० 22] नई दिल्ली, शनिवार, मई 30, 1987 (ज्येष्ठ 9, 1909)

No. 22] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 30, 1987 (JYAISTHA 9, 1909)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियमक और महालेखापरीक्षक, संघ सोक सेवा आयोग, रेल विभाग और
भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

केन्द्रीय भत्कंता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1987

सं० 2/24/87—प्रशासन ---केन्द्रीय सतकंता आयुक्त एतद्वारा आयोग में स्थायी अनुभाग अधिकारी तथा केन्द्रीय सतकंता आयुक्त के स्थानापन्थ निजी सचिव को ग्रवर सचिव के पद पर वेतनमात्र ₹ 3000—100—3500—125—4500 में 1—5—87 (पूर्वान्तर) से तदर्थ रूप से तीन माह की अवधि के लिए या अगले आदेश तक जो भी पहले हो, नियुक्त करते

तदर्थ दस्त,

ग्रवर सचिव

कृते केन्द्रीय सतकंता आयुक्त

गृह मंत्रालय

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

नई दिल्ली—110003 दिनांक 1 मई 1987

सं० 18/4/87—प्रशा० 11—श्री सुनील कुमार मित्रा, सहायक, केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल, कलकत्ता को पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के तदर्थ आधार पर विनांक 20

अप्रैल 1987 से सं० 2000—60—2300 ई० बी०—75—3200—100—3500 के वेतनमान में पदोन्नति पर अनुभाग अधिकारी के पद पर एक वर्ष के लिए नियुक्त किया जाता है।

आर० एस० सहाय
उप निदेशक

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार)

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1987

सं० ए—13018/1/86 प्रशा० 11—समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) के निम्नलिखित स्थानापन्थ अतिरिक्त सहायक निदेशक और अतिरिक्त सहायक निदेशक (बीजलेख) को 1 मई 1987 के पूर्वान्तर से समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) से अतिरिक्त सहायक निदेशक और अतिरिक्त सहायक निदेशक (बीजलेख) के पदों पर स्थायी किया जाता है।

क्र० सं० नाम स्थायी रूप से नियुक्ति का पद

1	2	3
1	श्री जे० एस० ठक्कर	अतिरिक्त सहायक निदेशक
2	श्री राज पाल सरपाल	अतिरिक्त सहायक निदेशक

1	2	3
3.	श्री आर० के० कोटनिस	प्रतिरक्त सहायक निदेशक (बीजलेख)
4.	श्री ई० ए० मिकिगन	प्रतिरक्त सहायक निदेशक (बीजलेख)

कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सीजीओ काम्पलेक्स

धर्मपाल भूत्ता प्रशासन अधिकारी (स्थान) केन्द्रीय अन्वेषण ब्याग

सरदार वल्लभभाई पटेल ग्रन्टीय पुस्तिकालकारी
हैवरनाइट-500 252, दिनांक 1 मई 1987

मं० 15033/82-स्थापना—स्वास्थ्य और पर्यावरण मंत्रालय ने आवंटित केन्द्रीय सचिवालय मेंका के स्थायी अनुबोध अधिकारी श्री के० बी० एम० भीमाराव ने अपनी अवधि की समाप्ति के बाद स० ब० प० राष्ट्रीय पुलिम अकादमी हैवराबाद में १ मई, १९८७ पूर्वाल्प से प्रशासन अधिकारी के पद का कर्यालय सौंपा।

सादेश

सं० 15033/82-स्थापना—श्री लेख शर्मा नागपाल, स्थायी
अधीक्षक (मिनिस्ट्रीयल) को पदोन्नति दिनांक 1 मई, 87
पूर्वान्त में अपने श्राद्धेशों तक प्रसामन अधिकारी के पद पर^{रुपण}, 2375-75-3200 द० रो०-100-3500 (संशोधित)
वेतन व नियमाधीन देय भ्रतों के साथ की जाती है।

ए० ए० अली
तिकेश्वर

महादिवेशालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुक्षा बल

ਨਵੀਂ ਦਿਲ੍ਲੀ-110 003, ਦਿਨਾਂਕ 30 ਅਪ੍ਰੈਲ 1987
ਸੰ. ਈ-28017/3/86-ਕਾਮਿਕ-II--ਸਰਕਾਰੀ ਸੇਵਾ ਮੈਂ

स्वैच्छिक सेवा निवृति के फलस्वरूप श्री बी० पी० दु०
ने 3 जनवरी, 1987 के अपग्राह से सहायक कमांडेंट, - के और मुन
दृनिट, एन० एफ० एन०, विजयपुर, गुना (म० प्र०) के पद
का कार्यभार छोड़ दिया ।

दिनांक 04 मई 1987

सं० ई-32015(2)/5/86-फार्मिक-I--राष्ट्रपति, श्री
एम० बी० अनुवेदी को, प्रोश्नति पर, 22 अप्रैल, 1987 के
पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० य० य० निट, श्री० एम० एल०, बोकारो
में नमाइंट के रूप में नियमित आभार पर नियमित करते हैं।

डी० एम० मिश्रा
महानिदेशक/केओमब

विसं भैसालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मद्राणालय

देवाम् दिनांक 29 अप्रैल 1987

नस्ती क्र० बीएनपी०/मी०/५/८७—श्री मोहम्मद शरीफ,
भण्डारी को भण्डार अधिकारी के पद पर पुनर्रक्षित वेतनमान
र० 2375-75-3200-द० रो०-100-3500 (समूह
“बी” राजपत्रित) में बैंक नोट मुद्रणालय, देवास (म० प्र०)
में दिनांक 11-3-87 (पूर्वाल्प) से अन्य आगामी आवेशों तक
स्थानापन्थ रूप में नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है।

मु० वै० चार
महाप्रबन्धक

कार्यलिय निर्देशक लेखापरीक्षा

क्रेदीय राजस्व - 1

नई दिल्ली-२, विषांक 4 मई 1987

सं० प्रशासन-1/का० आ० संख्या 27--निदेशक लेखा-
परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-1, नई विस्ती, इस कार्यालय के
श्री सुरेन्द्रपाल मिह वालिया स्थायी प्रभुभाग अधिकारी (अब
महायक लेखा परीक्षा अधिकारी) स्थानापन्न लेखा परीक्षा
अधिकारी के बेनमकम 2375-3500 रु. में 29 अप्रैल 1987
श्रप्रारूप में आगे आदेश दिए जाने तक नियुक्ति करते हैं।

मोहन खुराना

कलंका-200001, दिनांक 1 मई 1987

स०-प्रश्ना० I/सी/८० प्रक्रिया/288-289—निवेशक लेखा॑
परीक्षा, केन्द्रीय कलकाता॑ ने निम्नलिखित अनुमोदन अधिकारियों
को रुपया 2000-60-2300 ई० बी०-75-3200 रुपए

वेतनमान पर स्थानापन्थ सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी पद पर उनके नामों के साथ दिए गए तारीख से अपग्रेड प्रादेश तरी किए जाने तक निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय, कलकत्ता कार्यालय में नियुक्त किए हैं—

१० सं० नाम कार्यभार ग्रहण करने की तारीख

श्री निबिल कुमार ओष 31-3-87 (पूर्वाह्न से)
श्री ए० सईद मीन 2-4-87 "

श्र० कु० मिह
उपनिदेशक लें परीक्षा (प्रशास०)

महालेखाकार का कार्यालय
(लेखा प्रशिक्षण)

हैदराबाद, दिनांक 7 मई 1987

सं० प्रशास०-१/८-१३२/८७-८८/श० श० मं० २५—श्री आर० मुन्दरगाजन लेखा परीक्षा अधिकारी महालेखाकार (लेखा परीक्षा) I का कार्यालय आ० प्र० हैदराबाद 30-4-1987 को अपग्राह्न में सेवा में निवृत्त हुए।

विजया भूति
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय (लें ह०)

हैदराबाद-500 463, दिनांक 5 मई 1987

सं० प्रशास० १/श० ह०/८-८८/८७-८८/३९—महालेखाकार (लें ह०) ने महर्ष नीरे बताए गए अनुभाग अधिकारियों को उनके नाम के आगे वर्णित तिथियों में २३७५-७५-३२०० ह० बी-१००-३५०० रु० के वेतनमान में स्थानापन्थ लेखा अधिकारियों के रूप में प्रदोषित किया है।

नाम कार्यग्रहण करने की तिथि

१. श्री जी० राममूर्ति-II 29-04-1987 पूर्वाह्न
२. श्री जे० चन्द्रम्या 29-04-1987 पूर्वाह्न

यह पदोन्नति आदेश उम्मेदवारों के दावों पर, यदि कोई हो, बिना कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले तथा आधिकारियों द्वारा उच्च न्यायालय /उच्चतम न्यायालय तथा केन्द्रीय प्रशासन न्यायाधिकरण में लंबित रिट मार्चिकाओं के परिणामों के अधीन होंगे।

टी० के० बालमुमुक्षुमण्डप
उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय लेखा विभाग

कार्यालय, लेखा लेखा महानियन्त्रक,

नई दिल्ली-110 066, दिनांक 06 मई 1987

सं० प्रशास० /१/१६८८/५/१—श्री ए० स्वामीनाथन, आई० डी० ए० ए०, जिन्होंने १०-०४-१९८७ को ५८ वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है, (उनकी जन्म तिथि ११-०४-१९२९ है), को ३०-०४-१९८७ अपग्राह्न से रक्षा लेखा विभाग के संस्थाबल से हटा दिया गया है तथा ०१-०५-१९८७ पूर्वाह्न से वेशन स्थापना को अन्तिमत कर दिया गया है।

सं० प्रशास० /१/१७०६/५/III—श्री सुग्निदर सिह, आई० डी० ए० ए० ए०, जिन्होंने १६-०४-१९८७ को ५८ वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है, (उनकी जन्म तिथि १७-०४-१९२९ है), को ३०-०४-१९८७ अपग्राह्न से रक्षा लेखा विभाग के संस्थाबल से हटा दिया गया है तथा ०१-०५-१९८७ पूर्वाह्न से वेशन स्थापना को अन्तिमत कर दिया गया है।

टी० के० वेतसिह
रक्षा लेखा प्रपर महानियन्त्रक (प्रशासन)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियन्त्रक आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 अप्रैल 1987

आयात और निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० ६/१४६३/८५—प्रशास० (गज०)/२२०६—मयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में श्रीमती आर० मी० गुप्ता, नियन्त्रक, आयात-निर्यात सेवा निवृति की आयु प्राप्त कर लेने पर ३१ जनवरी १९८७ के अपग्राह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

शंकर चन्द्र
उप मुख्य नियन्त्रक आयात-निर्यात
कृते मुख्य नियन्त्रक आयात-निर्यात

पूर्वि विभाग

राष्ट्रीय परीक्षण-शाला, अलीपुर

कलकत्ता-२७, दिनांक 30 अप्रैल 1987

मं० जी०-६५/ए० ओ०—संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली की सिफारिश पर महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण-शाला, कलकत्ता निम्नलिखित व्यक्तियों को राष्ट्रीय परीक्षण-शाला, गाजियाबाद एवं बम्बई में विश्वान अधिकारी (रसायन) के स्तर में अस्थायी आधार पर सहवं नियुक्त करते हैं जो कि

प्रत्येक के सामने दर्शाएँ गए दिनांक के अनुसार किसीं श्रमिकों आदेश के जारी होने तक प्रभावी होगा।

क्र०	नाम	नियुक्त पद	नियुक्ति का दिनांक	कार्यालय
------	-----	------------	--------------------	----------

			सर्वश्री	
1.	योगेश चन्द्र	विशान्न प्रधि- कारी(रसायन) (पूर्वाह्नि)	31-12-86	राष्ट्रीय परीक्षणशाला गाजियाबाद।
2.	गधेश्याम किरन	—बहा—	25-02-87	राष्ट्रीय परी- (पूर्वाह्नि) क्षणशाला, बम्बई

		एस० राय	
		उपनिदेशक (प्रशासन)	

कृते महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षणशाला,

अलीपुर, कलकत्ता-27

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग प्र-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 30 अप्रैल 1987

सं० ए-31014/185-प्र-6—दिनांक 18-12-1986 की अधिसूचना सं० ए-31014/1/85-प्र-6 में एतद्वारा निम्नलिखित संशोधन किया जाता है।

ऋग्म सं० 9 पर अधिकारी का नाम श्री वी० नन्दन के स्थान पर श्री वी० नन्दनन फड़ा जाए।

आर० पी० शाही
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

कार्यालय, महानियंत्रक

एकस्व, रूपांकन एवं व्यापार चिह्न

बम्बई-400 020, दिनांक 24 अप्रैल 1987

सं० सी० जी०/एफ०/14/7(13)पेटेण्ट/112—राष्ट्रपति, श्री डी० के० राधचौधरी को मद्रास शाखा के पेटेण्ट कार्यालय में दिनांक 25 अप्रैल 1986 (अपग्रह) से पत्र संख्या सी० जी०/एफ०/14/7(13) पेटेण्ट के अनुसार स्थायी आधार पर उपनियंत्रक, एकस्व एवं रूपांकन के पद पर नियुक्त करते हैं। वे इसी दिन से दो साल के लिए परीक्षाधीन होंगे।

आर० ए० शाही
महानियंत्रक,
एकस्व, रूपांकन एवं व्यापार चिह्न।

इस्पात और खाने मंज़ालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 4 मई 1987

सं० 2987बी/ए-32014(2-अधि० सर्व०)/81-19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी महायक (सर्वेक्षण) श्री सुनिल कुमार दे को अधिकारी सर्वेक्षण के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-1000-3500 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्थ क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 23-2-1987 के पूर्वाह्नि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 2996बी/ए-19011(2-डी० बी०)/86-19बी—राष्ट्रपति जी श्री दीपक भट्टाचार्य को भूभौतिकीयद (कनिष्ठ) (उपकरण) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 2200-75-2800-द० रो०-100-4000 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्थ क्षमता में आगामी आदेश होने तक 2-3-1987 (पूर्वाह्नि) से नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी
निदेशक (कार्मिक).

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 29 अप्रैल 1987

सं० ए-19011(59)86-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री के० मत्यनारायण, अधीकारी (अयस्क प्रसाधन), भारतीय खान ब्यूरो को स्थानापन्थ रूप से दिनांक 9-4-1987 के प्रपराह्न से भारतीय खान ब्यूरो में प्रमुख अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर पदोन्नति प्रदान की गयी।

पी० पी० बादी
प्रशासन अधिकारी
कृते महानियंत्रक
भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 29 अप्रैल 1987

सं० ए/19011(401) 87 स्था०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री आर० मी० मालविया, महायक खनन भूवैज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्थ रूप में कनिष्ठ खनन भूवैज्ञानी के पद पर दिनांक 16 अप्रैल 87 (पूर्वाह्नि) से पदोन्नति प्रदान की गयी है।

जी० सी० शर्मा
महायक प्रशासन अधिकारी
कृते महानियंत्रक

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 1 मई 1987

सं. ई (1) 06204—मौसम विज्ञान के महानिदेशक खेद सहित श्री एस० एस० कुलकरणी, मौसम विज्ञानी श्रेणी-1 मौसम कार्यालय बम्बई, की दिनांक 17 अप्रैल 1987 को हुई मृत्यु की अधिसूचना जारी करते हैं।

प्रज्ञन देव
मौसम विज्ञानी (राजपत्रित स्थापना)
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 मई 1987

सं. 11/4/87—स्मा० —प्राचीन सम्मारक पुरातत्त्वीय स्थल एवं प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं मुनीश चन्द्र जोशी, संयुक्त महानिदेशक, यह निवेश जारी करता हूँ कि राजगिरी पर्वत, जिजी, जिला दक्षिण आरकाट, तमिलनाडु के स्मारकों में दिनांक 4-5-87 से 13-5-87 (दोनों दिन सम्मिलित) तक देवी कमलाकांडि अम्मा० के वार्षिक उत्सव के उपलक्ष में प्रब्रेश निःशुल्क होगा।

मुनीश चन्द्र जोशी
संयुक्त महानिदेशक

गष्ट्रीय अभिलेखागार,

नई दिल्ली-110001, दिनांक 28 अप्रैल 1987

सं. एफ० 12-3/85—स्था०—श्री ए० क० शर्मा, प्रशासन अधिकारी के अस्वस्थता के आधार पर छुट्टी जाने के फलस्वरूप श्री क० सी० राजपाल, वरिष्ठ, अधीक्षक को 28-4-1987 से प्रगल्भ आदेश होने तक, पूर्णतया तदर्थ आधार पर प्रशासन अधिकारी (युप “बी” राजपत्रित) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

इस नदर्थ नियुक्ति से उनका नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक अर्थवा दावा नहीं होगा और इसे वरीयता के प्रयोगन और अगले घ्रेड में पदोन्नति की पावता के लिए माना नहीं जाएगा।

उन्हें रु० 2375-75-ई० बी-3200-100-3500 रुपए के बेतनमान में 2375/- रुपए प्रतिमाह न्यूनतम बेतन मिलेगा।

डा० राजेश कुमार पर्ती
अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1987

सं. 4/27/77-एम-I (बी)—श्री एम० डी० शास्त्री, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, उदयपुर का कार्यक्रम निष्पादक के घ्रेड में 23-8-83 में स्थायी किया जाता है।

ईश्वर लाल भाटिया
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग

निर्माण एवं सेवा बंग

बम्बई-400 094, दिनांक 22 अप्रैल 1987

सं. सी० एण्ड एस० जी०/ए०/2(16)/2406—निदेशक, निर्माण एवं सेवा बंग, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री एस० आर० रेडीज, प्रवरण श्रेणी लिपिक, निर्माण एवं सेवा बंग को श्री पी० मी० मैथ्यू, सहायक कार्मिक अधिकारी, जिन्हे भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में प्रशासन अधिकारी-III के रूप में पदोन्नति पर नियुक्त किया गया है, के स्थान पर तारीख 4-3-1987 पूर्वाह्न में अस्थायी आधार पर तदर्थ सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. सी० एण्ड एस० जी०/ए०/2(16)/2407—निदेशक, निर्माण एवं सेवा बंग, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री ए० बी० पौलॉस, सहायक लेखापाल, निर्माण एवं सेवा बंग को श्री बी० जी० जे० पिल्लई, सहायक लेखा अधिकारी, जो छुट्टियों पर है, के स्थान पर तारीख 20-4-1987 पूर्वाह्न से 28-5-87 तक अस्थायी आधार पर तदर्थ सहायक लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

एम० मुकुदन

प्रशासन अधिकारी II

परमाणु बनिंज प्रभाग

हैदराबाद-500 016, दिनांक 4 मई 1987

सं. : पबप्र-51/47/85-पैशन—श्री आई० एस० मोखा, सहायक लेखा अधिकारी, उत्तरी क्षेत्र, परमाणु बनिंज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग ने निवर्तन की आगु पर फूंचने पर 31 मार्च 1987 को अपग्रेड में अपने पद का कार्यभार छाड़ दिया।

ए० ब० आ० आ०
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

अम्तस्तरिक्ष विभाग

इन्सैट - 1 प्रधान नियन्त्रण सुविधा

हसन-573 201, दिनांक 21 अप्रैल 1987

सं० एम० सी० एफ० : ए० डी० एम० : ई० एस० टी० जी० एन० ०३५ —परियोजना निदेशक, इन्सैट-1 अंतरिक्ष खण्ड परियोजना, अम्तस्तरिक्ष विभाग, श्री एस० एम० गंगुली को इन्सैट-1 प्रधान नियन्त्रण सुविधा, हसन में बैज्ञानिक/इंजीनियर-एस० बी० के पद पर 1 अप्रैल 1987 से आगामी आवेशों तक नियुक्त करते हैं।

एम० पी० कुमारन
प्रशासन अधिकारी
कृते परियोजना निदेशक

महाविद्यालय नामक विभाग का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

सं० ए-26014/4/85-ई०ए०—इस कार्यालय की दिनांक 6-6-77 की अधिसूचना सं० ए-32013/3/76-ई० ए० में अंशिक संशोधन करते हुए, राष्ट्रपति ने श्री आर० एस० भागवत, सहायक विभाग के अधिकारी को नगर विभाग में दिनांक 19-10-76 से मूल नियम 30 के अन्तर्गत अगले नियम के उपबन्धों के अन्तर्गत विभाग के ग्रेड में प्रोफार्मा पदोन्नति प्रदान की है।

एम० भट्टाचार्जी
उपनिदेशक प्रशासन

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 24 अप्रैल 1987

सं० ए-19012/1181/86—स्थापना पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री बी० डी० साहा कनिष्ठ अभियन्ता को अंतरिक्ष सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500/- रुपए के वेतनमान में दिनांक 31-3-87 की पूर्वान्तर से एक वर्ष की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थायी तथा तर्वर्ष आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19012/1198/86—स्थापना पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री बी० डी० राव, कनिष्ठ अभियन्ता, को अंतरिक्ष सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500/- रुपए के वेतनमान में दिनांक 16-2-87 की अपराह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थायी तथा तर्वर्ष आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 अप्रैल 1987

सं० ए-19012/1203/86—स्थापना पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री के० के० सातशापन, कनिष्ठ अभियन्ता को अंतरिक्ष सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500/- रुपए के वेतनमान में दिनांक 6-10-1986 की पूर्वान्तर से एक वर्ष की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थायी तथा तर्वर्ष आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

मुशी राम सिंहल
अवर सचिव

निर्माण महानिवेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1987

सं० 1/445/69-ई० सी० ९—इस विभाग के श्री हरिकृष्ण वालिया, वास्तुक, वार्षक्य की आयु प्राप्त करने पर 30-4-87 (अपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त किए जाते हैं।

एम० एम० वास
उप निदेशक (प्रशिक्षण)

उद्योग मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 के विषय में
और

डिं. वि० राजू स्प्रिंगस प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445(2) के अन्तर्गत।

डैदराबाद, दिनांक 1 मई 1987

सं० 2324/लिकिव/87—उच्च न्यायालय, आन्ध्र प्रदेश, डैदराबाद के वर्ष 1985 के कम्पनी पिटीशन क्रमांक 18/1985 के मामले में 24 फरवरी को डिं. वि० राजू स्प्रिंगस प्राइवेट लिमिटेड को परिसमाप्त का आदेश दिया गया।

आर० के० भट्टाचार्जी
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
आंध्र प्रदेश

कम्पनी अधिनियम, 1956 और राजठ इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 6 मई 1987

सं० 3549/560/87—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह

सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर राजठ इवेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लाकम—वी बी डीयो प्रोडक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 6 मई 1987

सं० 7090/560/87—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर लाकम—वी बी डीयो प्रोडक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कादूर कर्मशिल प्राइवेट प्राइजेम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 6 मई 1987

सं० 3742/560/87—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर कादूर कर्मशिल प्राइवेट प्राइजेम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हन्थरेरप्रिंट मिस्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 6 मई 1987

सं० 541/560/87—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर हन्थरेरप्रिंट मिस्टर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नालन्दा नान्प्रेरस कासटिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 6 मई 1987

सं० 2900/560/87—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर नालन्दा नान्प्रेरस कासटिंग्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

जे० के० रमणी
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

आयकर अपीलीय अधिकरण

बम्बई-400 020, दिनांक 7 मई 1987

सं० एफ-48-एडी-एटी/1987—श्री एस० के० विश्वास, अधीक्षक, आयकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई पीठ, बम्बई जिन्हें तदर्थे आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार, आयकर अपीलीय अधिकरण, गौहाटी पीठ, गौहाटी, में तीन माह के लिए दिनांक 24-2-87 से कार्य करते रहने की अनुमति दी गयी थी। (देखिए इस कार्यालय की अधिभूचना सं० एफ-48-एडी-एटी/1987 दिनांक 18-2-87) को अब उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण, गौहाटी पीठ, गौहाटी में और तीन माह के लिए दिनांक 24 मई 1987 से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है या तब तक जब तक उक्त पद पर नियमित नियुक्ति न हो जाये, जो भी पहले हों।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थे आधार पर है और यह श्री एस० के० विश्वास को उस श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थे आधार में प्रदान सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उसी श्रेणी में गिनी जावेगी और तदूसी उच्चतर श्रेणी में प्रोत्तर करते की पात्रता ही प्रदान करेगी।

सी० एच० जी० कृष्णामृत,
अध्यक्ष

प्रधान बाहूँ. टी. एव. प्र०. -----

1. मनिन्द्र चन्द्र पाल ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स डाक्ट्रिवाल प्रापर्टीज (प्राइवेट) लिमिटेड
(अन्तरिती)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निरेण मं० टी०आर०-276/86-87/एमएल०-1294/
आई०ए०सी०/एक्य० आर०-1-कल०—ग्रन्त: मुझे, प्राई० कै०
गायेन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है
और जिसकी मं० 79 है तथा जो लेनिन सरनि, कलकत्ता
में स्थित है (ओर इसमें उग्रबद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप से
में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, आर०
ए० लक्ष्मी में, रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, नारीन 30-१-८६।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
तोहः प्रतिक्रिया से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में
फ्रौदों करने द्या जानां उच्चन में सूचिधा के लिए,
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन मा अन्य वास्तवियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सूचिधा
के लिए;

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेरस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पणीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

ल्पणीकरण

79 लेनिन सरणि, कलकत्ता में अवस्थित सम्पत्ति का
अधिभक्त 10 प्रतिशत दिन्सा जो रजिस्ट्रार आफ एमुरेसेम,
कलकत्ता के पास ईड नं० आई-12180 के अनुसार 30-१-
८६ में रजिस्टर किया ।

आई० कै० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, कलकत्ता-16

प्रत. अब, उक्त आधारनदय की भारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 10-4-1987

मोहर:

प्रलूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) प्रपुकुल कुमार बोस ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

(अन्तरक)

(2) मैसम डाक्ट्रिवाल प्रापटीज (प्राइवेट) लिमिटेड।
(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर बाबत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निदेश सं० टी०आर०-279/86-87/एस० एस०-1295/
आई०ए०मी०/एक्य० आर०-1/कल०—पतः मुझे, आई० के०
गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

आंदर जिसकी सं० 79 है तथा जो लेनिन सरणि कलकत्ता में
स्थित है (आंदर इसमें उपाख्य अनुसूची में आंदर पूर्ण रूप
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय आर० ५०
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 30-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित दबावे से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ द्वारा किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी लिखी बाब या किसी भव या बन्ध बास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
तथा,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के लिए, निम्नलिखित अविक्तयों, अर्थात् :—
२-86 GI/87

जो वह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यवाहियों करता है :

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा तत्त्वावधनी अविक्तयों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले द्वारा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तयों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर रसम्पत्ति में हितवद्धुभ
एवं सी अन्य अविक्त द्वारा अभावसाधारी के पाछ
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
या है।

अनुसूची

79, लेनिन सरणि, कलकत्ता में श्रविष्ठि सम्पत्ति का
अविभक्त 50 प्रतिशत हिस्सा जो रजिस्ट्रार आफ़ एसुरेन्सेस,
कलकत्ता के पास डीड नं० 1-12178 के अनुसार 30-9
1986 में रजिस्टर हुआ

आई० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

दिनांक: 10-4-1987

सं॒र:

प्रकाशन वर्ष, दृष्टि एवं लिखित

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

श्रीमान् रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल, 1987

निदेश सं० टी०आर०-२८०/८६-८७/एसएल०/-१२९६/
आई०ए०सी०/एक्य० आर०-१/कल०—यतः मुझे, आई० के०
गायेत,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 79 है तथा जो लेनिन सरणि कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए०
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 30-९-८६

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान
प्रतिफल ऐ तिए बत्तरित की गई है और यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का
पक्का प्रतिक्रिया से अधिक है और बन्तरक (बन्तरको) और
अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया
जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिंक्त
वा सांस्थिक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायिल में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तवों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः—

(1) श्री मुजफ्फर हुसेन ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्ज डाक्ट्रिवाल प्रापर्टीज (प्राइवेट) लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उचित
कार्यवाहियों द्वारा करता है ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कांडे भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अग्रीभ बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिनित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त होगा यो उक्त अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

79 लेनिन सरणि, कलकत्ता में अवस्थित सम्पत्ति का
प्रतिशत हिस्सा जो रजिस्ट्रार आफ एसुरेसेस
कलकत्ता के पास डीड नं० आई-12179 के अनुसार 30-
30-9-1986 में रजिस्टर्ड हुआ ।

आई० के० गायेन
सहम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
श्रीमान् रेंज-1, कलकत्ता-16

दिनांक: 10-4-1987

मोहर:

प्रस्तुत नाईँ. टी. एन. एस. १००००

(1) आजिमगंज एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

(2) मुनझुनवला जनकल्याण ट्रस्ट।

(अन्तरती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बाबकर बाबूबत (प्रिवेट)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल, 1987

निवेद सं० टी० आर० -274/87-88/एसएल०-1297/
आई० ए० सी०/एक्य० आर०-1/कल०--यत मुझे, आई०
के० गायेन
आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मूल्य
5,00,000/- रु. में अधिक है
और जिसकी सं० 7, है तथा जो केमाक स्ट्रीट, कलकत्ता में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए०
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 30-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित धाजार मूल्य से कम के अव्यसाय
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि विश्वास प्रतिफल सम्पत्ति का उचित धाजार
मूल्य, उसके अव्यमान प्रतिफल से, ऐसे अव्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच इसे अन्वरण के लिए तथा पावा गया प्रति-
ज्ञा निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विवित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया जा है—

(क) अन्वरण में 'इ' किसी जात की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सहित
अंतिम; और/वा

(ख) इसी 'इ' किसी जात या किसी धन या अन्य आस्तिया
को, 'इ' भास्तुतीय बाबू-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या अमकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अन्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए या कियाने में सहित
के लिए।

इह: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुबरण
में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :—

को वह सूचना जारी करने पूर्वोक्त उम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

शब्दावली:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
जाता है।

अनुसूची

7-केमाक स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित मकान का दूसरा
तला में आफिस ब्लाक नं० 2 जो रजिस्ट्रार आफ एसुरेंस सं
कलकत्ता के पास डीड सं० आई-12270 के अनुसार 30-9-
86 में रजिस्टर हुआ।

आई० के० गायेन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आमकर आगुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज- कलकत्ता-16

दिनांक: 10-4-1987
मोहर:

प्रस्तुप बाई० टी. एन. एस. -----

(1) आजिमगंज एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए के अधीन सूचना

(2) मुनश्शुनबाला जनकल्याण ट्रस्ट ।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निदेश सं० टी०आर०-275/87-88/एस० एल०-1298/
आई० ए० सी०/एक्य० आर०-1/कल०—यतः मुझे आई० के०
गायेन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है तथा जो केमाक स्ट्रीट, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर०
ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 30-9-86

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्यापन
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अव्यापन प्रतिफल से ऐसे अव्यापन प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिक्रियत संभिक्षण है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) एवं बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वे
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ।—

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कौहै भी बाक्षेप ?—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से विशी व्यक्ति बुवारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुद्ध
किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अथवे हस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदर्शित शब्दों और पदों का, जो उन्नत
अधिनियम, के अध्याय 20-के १५र्भाषित
हैं, वही अर्थ हैं जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बासूची

(म) अन्तरण से हृदै किसी बाय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के बंतरक के बायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(म) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को चिह्न भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगमार्थ अस्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

आई० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-186

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 10-4-1987

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) पार्क चैम्बर्स लिमिटेड।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) मोदी रबर लिमिटेड।

(अन्तरती)

भारत सरकार

आर्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

श्रीजन रेज-1, कलकत्ता ७

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निदेश सं ३० टी०आर०-२७३/८७-४४/एसएल०-१२९९/आई०
ए० सी०/एक्यू० आर०-१/कल०—यतः मुझे, आई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ११९, है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए०
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 30-९-८६

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)
और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
अनुसूच, निम्नलिखित उच्चारण से उक्त अनुसूच विविध
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाच प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्म्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की ताम्रिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
तिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

119 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित मकान का
स्पेस नं ३ एंबीसी तीसरा तल्ला में और ४ कार पार्किंग
स्पेस जो रजिस्ट्रार आफ एसुरेंस कलकत्ता के पास डीड
नं ० आई-१२२७४ के अनुसार 30-९-८६ में रजिस्टर हुआ।

आई० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेज-1, कलकत्ता-१६.

पठः अय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की अनुसूच
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 10-4-1987

मोहर :

प्रलूप आई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निवेश सं० टी०आर०-277/86-87/एस एल०-1300/
आई० ए० सी०/एक्य० आर०-1/कल०—यतः मुझे, आई० के०
गायेन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थापत्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 79 है तथा जो लेनिन सरणि कलकत्ता
में स्थित है (और इसमें उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए०
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 30-9-86को पूर्वोंक्त सम्पादित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंडह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अंतरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करमे या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया आना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

(1) श्रीमती विभा सामत्त एवं अन्यान्य।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स डाक्ट्रिवाला प्रापर्टीज (प्राईवेट) लिमिटेड।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में फिर जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय भी दिया
गया है।

अनुसूची

79 लेनि सरणि, कलकत्ता में अवस्थित मकान का
प्रविभक्त 30 प्रतिशत हिस्सा जो रजिस्ट्रार आफ एसुरेंसेस
कलकत्ता के पास डीड नं० आई-12181 के अनसार 30-9-
86 में रजिस्टर हुआ।आई० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, कलकत्ता

दिनांक: 10-4-1987

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आइ० टी० एन० एस० -----

(1) पार्क चम्बर्स लिमिटेड ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) कलिंग कमर्शियल कार्पोरेशन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 प्रप्रैल, 1987

निदेश सं० टी० प्रा०-2786/87-8/एस० एल०-13 1/
आई०ए० मी००/एक्य० प्रा०-1/कल०---यतः मुझे, आई० के०
गायेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मा० 119 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता
स्थित है और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय प्रार०
का० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकर, अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 30-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का
पूर्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय घाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशाहीहाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुए० किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए;
और/या

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिस्ते भारतीय आयकर आई० नियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा
के लिए;

अन्तरणी

119 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित मकान का
एक तल्ला में स्पेस सं० १सी० के अविभक्त शाधा हिस्सा
जी० रजिस्ट्रार आद्र एसुरेंसेस कलकत्ता के पास डीड नं०
X-12276 के अनुसार 30-9-86 में रजिस्टर हुआ।

आई० के० गयेन
सक्षम प्राधिकर्ता
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

दिनांक: 10-4-1987

मोहर:

बत, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल, 1987

निवेदण सं. आई.ए.० सी.०/एक्यू.०/२/३७६६/८-८६/६९--
अतः मुझे, अशोक ककड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ० है, तथा जो सी-386, डिफैंस कालोनी
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोड-2,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन
दिनांक अगस्त, 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चमन लाल कप्पर, सी.०-३८६, कैडम कालोनी
नई दिल्ली।

(अन्तरक)
(2) श्री अमरजीत सिंह नौहर, सी-१३९, डिफैंस कालोनी
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सी-386, डिफैंस कालोनी, नई दिल्ली।

अशोक ककड़
सक्ष प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

दिनांक : 20-4-1987

मोहर :

प्रूरुष आहू.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

जारीतय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनाक 20 अप्रैल, 1987

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्य०/२/३७६६/८-८६/७०-
अतः मुझे, अशोक ककड़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पृष्ठात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के
अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो फ्लाट नं० 18
ब्लॉक नं० ई०, ईस्ट आफ कैनाश भूर्ग प्रभात आवासीय
स्कीम) में स्थित है (और इसमें उत्कद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) अर्जन रोड-2, नई
दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के
अधीन दिनांक अगस्त, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(व) अतरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अनुरक के दायित्व
में की करने या उससे बचने में संविधा के लिए:
और/या

(ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मर्मिता के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
3-86 GT/87

(1) श्री गणेश खन्ना, रमेश खन्ना, श्रीमती मीना
खन्ना, श्रीमती हर्ष खन्ना, डी-44, ईस्ट आफ
कैनाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरुगंत लाल्हा ई-11, ईस्ट आफ कैनाश,
नई दिल्ली-।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी या
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लाट नं० 18, ब्लॉक नं० ई०, ईस्ट आफ कैनाश, मूरज
प्रभात आवासीय स्कीम नई दिल्ली तावादी 325 वर्ग
मीटर्स।

अशोक ककड़
सधाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

दिनांक : 20-4-1987

मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयवात (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1987

निदेश सं. आई. ०. ए० सी०/ए०/२/३७८६/८-८८/७१--

घरत: मुझे, अशोक ककड़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 'इसमें' इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं.धी-24 है तथा जो चिराग एन्क्सेव, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्दी अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रविस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक अगस्त, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का एन्हां प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भन्दा ग्रन्थ ज्ञातन का, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ममूल्यी

धी-24, चिराग एन्क्सेव, नई दिल्ली।

अशोक ककड़
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

घरत: बच, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

दिनांक: 20-4-1987

मोहर :

(1) श्री पी० पी० सिंह, 11, छज्जू बाग, पटना।
(अन्तरक)

(2) श्री किशोर चन्द्र लेहन, श्रीमती कृष्णा लेहन,
14, कनाइड रोड, लखनऊ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाहीया बूरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकते।

स्पष्टाकरण :—इसमें प्रयुक्त क्षब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही वर्ण होगा, जो उस व्यापार में दिया गया है।

प्रकल्प आर्डॉ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1987

निवेश सं० आर्डॉ.ए० सी० /एक्यू०/२ /एस० आर०-३/
८/८६/१०७—अत मुझे, अशोक ककड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दूसरा खण्ड प्लेट नं० 302, बी-६, कैलाश
कालोनी में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से अंकित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अगस्त, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिष्ठान से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और
बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा
पाता गया अंतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दें के बन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

(1) बी० आर० टावसं, लि०, ए-१८, कैलाश कालोनी
नई दिल्ली।

(अस्तरक)

(2) मेसर्स होचेस्ट इण्डिया लि०, होचेस्ट हाउस, नरीमान-
पाइट, बैक-बे रिक्लेमेशन, बम्बई-400021

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त बन्तरण के वर्षम के वर्षम में काँड़ भी आयोग :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तराध्यायी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

दूसरा खण्ड प्लेट नं० 302, बी-६, कैलाश कालोनी, दिल्ली
दो कमरे हो बाधरूम, एक ब्रूहंग कम डाइनिंग, एक किचन एक
बर्नेट ब्वाटर्स, ट्रेस पर। एक अन कवर्ड कार पार्किंग साथ में
1/10 अविभाज्य घोर प्लाट थोक्स 523.6 वर्ग गज कुल पूर्ण
थोक्स 1200 वर्ग फिट लगभग।

अशोक ककड़
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

तारीख : 20-4-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

ग्राफिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन संघर्ष

भारत राष्ट्रपति

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल, 1987

निवेदग सं० ग्राइ० ए० सी० /प्र०००/२/ए००-ग्राइ०-३/
४८६/१०८—अतः मुझे, थी प्रश्नोक्त कक्षाड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269 वं के अधीन संघर्ष प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं 20 है तथा जो प्रथम खण्ड, बी-6
कैलाश कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसने उपावद्ध
शनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रा.स्ट्रीकर्टा अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रा.स्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 86
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथासूचित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक्ष) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निर्मालाखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीथरा नहीं किया गया है :—

(म) अन्तरण से इसे किसी भाव की भावति, हास्य
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक अंतरक्ष
में कठी करने वा उक्त संघर्ष में सूचिता के लिए,
बार/वा

(म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निर्मालाखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) बी० ग्राइ० टाक्सर्स लि०, पृ० 18, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) हॉमेस्ट इण्डिया लि०, हॉमेस्ट हाउस, नरीमा
पाइप, बैक-बै, रिक्लेमेण्ट, बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशालियों करता हूँ।

उक्त संघर्ष के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना ही तारीख से 30 दिन की अवधि या भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
संघर्ष में उच्च अधिकता द्वारा,

(ब) इस सूचना के गणपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है। ३ अप्रैल १९८७
उपेंडे/प्र०००
“८८४”

नमूसूची

फ्लेट नं० 201, प्रथम खण्ड, बी-6, कैलाश कालोनी, नई
दिल्ली साथ में तीन कमरे, तीन वार्षिक रूप से एक ड्राइंग कम डाई-
निंग, एक किचन प्रथम खण्ड, एक सर्वेन्ट क्वार्ट्स ट्रैस। एक अन्त-
कवरड कार पार्किंग, कुन अल 1500 वर्ग फिट। कुन फ्लाट
साथ में 1/10 अविभाज्य शेयर। प्लाट फ्लाट का क्षेत्र 523 :
650 वर्ग गज।

प्रश्नोक्त कक्षाड़
संघर्ष प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

तारीख : 20-4-1987

मोहर :

प्रकल्प बाहूँ. दी. एव. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत भरकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रे ज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1987

निदेश मा० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एम० आर०-३/
8/८६/१०९—अतः मुझे, श्री अशोक ककड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मा० डी-८८, डिफेम कालोनी, नई दिल्ली में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अगस्त, 1986

को पूर्वोंकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंकर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रख्यमान प्रतिफल से ऐसे रख्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
धारात्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूँड़ किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वापित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तात् :—

(उ) श्री विनय कुमार राय सुपुत्र स्व० श्री जे० सी० राय
डी०-८८, डिफेम कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(२) श्री दौलत गाम दिवान सुपुत्र स्व० जवाहर नाल, अनिल
दीवान और अश्वनी दीवान सुपुत्र श्री दौलत गाम
डी०-१/५२, लाजपत नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काइर्स भी जाक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय गे० दिया गया है।

बनूसूची

प्राप्टरी बिर्या०ग न० डी०-८८, डिफेम कालोनी, नई दिल्ली
घेव 330 वर्ग गज ।

अशोक ककड़
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रे ज-2, नई दिल्ली

तारीख : 20-4-1987

मोहर :

प्रकल्प आइ०.डी०.पट०.एव०.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुकर (निरीकण)

श्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई शिल्पी, दिनांक 16 अप्रैल, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्य० / 1/37जी० /8-86/

६५९७—अतः मुझे, एम० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्राप्टी बीयरिंग प्लाट नं० डब्ल्य०-124ए,
तावादी 500 1/2, 418 : 41 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-1, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूल्यी में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अगस्त, 1986

को प्राप्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधारण
प्रतिपत्ति के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त वंपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अवधारण प्रतिफल से, ऐसे अवधारण प्रतिफल कम
पन्हाह पतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिली
(बंती दीर्घियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए दो वाया गया प्रतिप-
त्ति रजिस्ट्रीकरण उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(८) बंतरण से हूँ जिसी बाब की वाया, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अंतरक वे
दीर्घियों में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(९) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उत्तर ज्ञान, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अनुसरण
में ४ उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) चन्द्रा खुरा पत्नि डा० आर० खुराना, 105,
गोलक लीक्स क्लॅव, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) डा० आर० गर्मा, (एच०य००एफ०), कर्ता, सुपुत्र
श्री एस० आर० गर्मा, निवासी—ए-128, इन्डर-
पुरी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को मह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन वे संबंध जैसे कोइ० भी वाले हैं—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा उक्त सम्पत्ति व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों वे तो किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम द्वे व्याय 20-के में परिवर्तित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस व्याय में दिया गया
है ।

बनस्त्री

प्राप्टी बीयरिंग प्लाट नं० डब्ल्य०-124 ए०, तावादी-
500 वर्ग गज, /418, 41 वर्ग मीटर्स, ग्रेटर कैलाश-1, नई
दिल्ली ।

एम० सी० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)
श्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 16-4-1987

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मिसेज स्नेह दत्त पत्ति स्व० श्री ए० के० दत्त एम०-
148, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

(अन्तर्गत)

(2) अश्विनी कुमार सुपुत्र स्व० श्री (डा) विश्वन नाथ
सी-754, न्यू फ्रेडम कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

ग्राउंन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निदेश स० आई० ए० सी० /एक्य०/7/37-जी/8-86/
116—अतः मुझे, श्री बी० के० मंगोला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० एस०-148, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अगस्त, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की अवधारण
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से ऐसे व्यवहार प्रतिफल का
गच्छ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्गतों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए हाय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण
नियमित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बचने के अन्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी बन या बन बासिनों
को दिनहै भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा
के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तात्पील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि आदि में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

मैं भूमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

धरातल खण्ड प्राप्ती नं० एस०-148, तादादी 306 वर्ग गज
ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

बी० के० मंगोला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्राउंन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 10-4-1987

मोहर :

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकृत्य आइ०, टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/ एक्य०-७/ एस० आर०-
37-जी/८-८६/११७—प्रतः मुझे, वी० के० मंगोला,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूम्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एस०-१५४, ग्रेटर कैलाश-२, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अगस्त, 1986

को धूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार भूम्य से कम के अधिक
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाधूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार
भूम्य उसके अधिकारी प्रतिफल से, एस० अधिकारी प्रतिफल का
पूर्व ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरोंतरी
(अंतरींतरीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया जाना श्रीतु-
ष्टु निम्नान्वित रूपरेखा के अन्तर बनारप विहित वै सामर्त्यक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी कहरे या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आट-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या अन्तर अधिनियम, या
परकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अत्यारीती हवाएं प्रकट नहीं किया
जा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने पर
दृष्टिकोण के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण
में, भूम्य की उपधारा (1) की उपधारा, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिक :—

(1) मेमसी खुराना बिल्डर्स ई-२१-ए, ईम्ट आफ कैलाश,
नई दिल्ली-११००६५

(अन्तरक)

(2) आर० जे० कोहली, एस-१५४, ग्रेटर कैलाश-२,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना आपौ करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अवधि के लिए
कार्यान्वयित्वां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवधि के सम्बन्ध में आइ० भी जारी:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के रास
लिखित में किए जा सकते।

प्रतीकरण:—इसमें प्रथम उम्मीदों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रथम खण्ड बिल्डिंग नं० एस०-१५४, ग्रेटर कैलाश-२,
नई दिल्ली ।

वी० के० मंगोला
मक्षम प्राधिकारी
भायकर आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 10-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्य० /7-एस० आर०-3/
8-86/89—अतः मुझे, वी० के० मंगोला,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मकान प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-113, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अगस्त, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि मध्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उगके अधिकान प्रतिफल से, एसे अधिकान प्रतिफल का
अधिकान से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अंतरितीहों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाश्च वया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आद की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्ट
में कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए;
और/या

(ब) एसी किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, जिसमें मैं सहिता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-86 GI/87

(1) अनिल कुमार सुपुत्र श्री सुखदेव राज, 4/54,
सुभाष नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) महानगर हंजीनियांग प्रा० लि०, 15, इण्डिया
एक्सचेंज प्लैस, कलकत्ता, द्वारा डायरेक्ट-मूनील
डग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बार्बंद के सम्बन्ध न कोई भी बाधोप —

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हित-
नष्ठ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रथम खण्ड प्राप्ती नं० एस०-113, तादादी 300 वर्ग गज
ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली फ्लेट क्लोन 1710 वर्ग फिट।

वी० के० मंगोला
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख 10-4-1987

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य० -७/एस० आर०-३/
८-८६/८८—प्रतः मुझे, वी० के० मंगोद्धा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एस०-113, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1808 का 16) के अधीन
तारीख अगस्त, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृष्टिगत प्रतिफल से, एस० दृष्टिगत प्रतिफल का
पन्थ्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एस० अंतरण के लिए तथ पाया जाना प्राप्ति-
कल निम्ननिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कीर्ति नहीं किया गया है ॥

(म) बन्दरगढ़ लै [है] फिसी बाय की बाबत उक्त
अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य
में कभी करने वा उक्त सबने में सुविधा के लिए;
और/या

(न) एस० फिसी बाय या किसी धन वा बन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 27
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा वा किया जाना चाहिए वा, जिसमें मैं दृष्टिगत
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अनिल कुमार सुपुत्र श्री सुखदेव राज निवासी—
4/54, सुभाष नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मिसेज रसील साहनी पत्नि श्री विजय माहनी,
16, फिरीज गांधी रोड, लाजपत नगर-3, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यवाहियाँ शुरू करका है ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कौन-इन्हें भी आक्षण्य :—

(क) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवैक्षणियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, औं भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवैक्षणियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्यात 20-के अन्तर्गत परिभाषित
हैं, वही वर्ण होंगा जो उस अध्याय के दिया
गया है ।

अनुसूची

दूसरा खण्ड प्राप्ती नं० एस०-113, तादादी 300 वर्ग गज
ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली फ्लैट क्षेत्र 1710 वर्ग फिट ।

वी० के० मंगोद्धा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 10-4-1987

मोहर :

प्रकाश आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य० /७/३७जी०/८-८६/

११३—अत मुझे, वी० के० मंगोला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० एस०-१४९, ग्रेटर कैलाश-२, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीयरजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख प्रगत्ति

1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरकां) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आविहै था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री नन्द गोपाल अरोड़ा सुपुत्र एम० सी० अरोड़ा,
ए 101/13, ओदोगिक क्षेत्र बजीर पुर, दिल्ली ।
(अन्तरक)
- (2) श्री टी०एन० गंजू सुपुत्र श्री ए० जे० गंजू, वी-५/४७
सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

बेसमेंट और तल खण्ड प्राप्टी नं० एस०-१४९, तालाबी,
298 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-२, नई दिल्ली ।वी० के० मंगोला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 10-4-1987

मोहर :

अत. अर्ध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत बाइ. टी. एन. एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

नाम सूचना

काव्यशिल्प, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-7/37-जी०/८-८६/
११४—ग्रातः मुंझे, श्री बौ० के० मंगोला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हस्ते इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु में अधिक है

और जिसकी संख्या है जथा जो एस-144, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधान, तारीख 2-8-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनितरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (अतरितियों) के द्वितीय अन्य अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में अन्तरिक्ष के दृश्यमान में कठिनतु ही किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी भाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत शायित्व में कभी करने या उससे बचने में संविधा के लिए; और/शा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आविस्यों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिक्षीय द्वारा दर्शाया गया था, जिसने में दर्शित के लिए;

ग्रातः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अन्तरण में, भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नंद गोपाल अरोड़ा सुपुत्र

श्री एम. सी. अरोड़ा ए-101/13,
शौद्धिक क्षेत्र, बड़ीरपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहनी गंजू पल्ली श्री टी. एन. गंजू
बी-5/47, सफदरजंग एंकलेंग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को मह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यवाहियां शारू करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समाप्ति में हितवहन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास निवासित में बिए जा सकेंगे।

लक्षणकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम, इस अध्याय 20-के में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममता

प्रथम खड और बरमाती खड प्राप्ती नं० एस-149,
तादादी 298 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

बौ० के० मंगोला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-7, नई दिल्ली

दिनांक: 10-4-1987

मोहर:

प्रश्नपत्र आई टी एन एस --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश स० आई० ए० स००/एक्य०-७/एस० आर०-३/
४-८६/९५—अन्. मुझे, व० के० मंगोला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि आयकर संपादन जिरा का उचित बाजार मूल्य

5,00,000/- रु से अधिक है

और जिसके म० है तथा जो एस- 171, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली मे स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची मे पूर्ण रूप और से वर्णित है), रजिस्ट्रेटर अधिकार के कार्यालय, नई दिल्ली मे रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1986

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, पैसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मे अधिक है और अतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निर्मातालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्माता मे वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे मुश्विधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय प्रा किसी धन या अन्य आस्तीय को, जिसके भागीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसे म सुविधा के लिए।

बता उन्हें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री अमन नागरथ सुपुत्र श्री रणजीत नागरथ 2, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली द्वारा एटोरनी सर्टीफ लिए।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० पौ० भट नागर सुपुत्र श्री पौ० पी० भटनागर एस-171, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्रकाशन के अर्जन के लिए आवाहित करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे काई भी आदाएँ —

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन का तारीख भ 45 दिन का अवृत्ति या तत्सवयम् अन्तिम या पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दोष गे रामात् हासी हो, व नेर प्रत्यक्ष व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति के द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र भ—प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित भैं किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों था, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होंगा जो उक्त अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

एसमेट प्राप्ती नं० एस-171, तादादी 298 वर्गगज, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त ((निरीक्षण))
अर्जन रेज-7, नई दिल्ली

दिनांक 10-4-1987

मोहर:

प्रकाश बाहौद. दी. एस. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भाग 269-ए (1) के अधीन बचना

सात्रत बाजार

संघीयता, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं. एस. आर०-3/8-86/90—अन्तः मुझे, वो०
के० मंगोला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. —— है तथा जो एस-171, ग्रेटर
कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक: अगस्त 86
के पूर्वोंका संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अत्तरित की गई है और यह
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंका
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल का
एन्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण में उक्त अन्तरण निर्मित
में बास्तविक रूप में किया गया है :—

(ए) अस्तरण में हुई किसी आद की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दबे के बन्तरक के बायित्व
में कभी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या

(ए) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंस
नार्य अन्तरिती इवां ग्रक्ट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, जिन्हें संविधा के
लिए;

यस: अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ए की अनुसर
में, भी, उक्त अधिनियम की भाग 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मास्टर अमन नागरथ सुपुत्र श्री रणजीत नागरथ
द्वारा एटारनै संतोष सेठो सुपुत्र श्री आर० आर०
सेठ जी-1/16, दरियागंज, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० पी० भटनागर सुपुत्र श्री आर० आर०
भटनागर, एस-171, ग्रेटर कैलाश-2, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वालेष है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाक में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तल खंड प्राप्ती नं. एस-171, नादादी 298 वर्ग
गज ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

वो० के० मंगोला
संघीयता
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक: 10-4-1987

मोहर :

प्रलूप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-७/३७-जी/८-८६/९१—
अतः भूषि, वी० के० मंगोला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो प्लाट नं० 15,
ब्लाक नं० ए० जी० के०-२, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
प्रगत, 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह ग्रन्थिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ह्रौं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यन्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती मोनिका चोपड़ा सुपुत्र श्री ए० एन० चोपड़ा डी-159, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल कपूर सुपुत्र (श्री स्वर्गीय) इन्डियन मैन कपूर एम-53, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथमकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 15, ब्लाक एस, तावादी 300 वर्ग गज
ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली।

वी० के० मंगोला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली।

दिनांक: 10-4-1987
मोहर:

प्रस्तुप आई टी एन.एस.-----

भारतीय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
260 पर (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/४/३७६६/८-८६/
४६—अतः मुझे, श्री डी० के० श्रीवास्तव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० है तथा जो आवासीय फ्लैट
नं० 19, तीमरा खंड, बहुमंजिली श्रूप हाउसिंग स्कीम गोरी
प्रपार्टमेंट 3 और 4 साउथ इंड लैन, नई दिल्ली में स्थित है (और)
उपावद्ध अनुसूची में अंगर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीर्टा
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम 1961
के अधीन तारीख अगस्त 86
में प्रबोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्व है प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हृद्द किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दन के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
मौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
पर्याजनात् अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
गुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) कलाश नाथन एंड एसोसिएट्स, 1006, कंचनगंगा
18, बाराब्रम्बा रोड, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
- (2) मिस माविकी कुनाडी श्रम्भेडकर डेनीनेट
एम्बसी आल इंडिया, लीमा पेरू द्वारा मिनिस्ट्री
आफ एक्स्टरनल अफेयर्स माउथ ब्लाक, नई
दिल्ली-11।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवृक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
शार्यदातयों करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव भी समाप्त होती है, के भीतर प्रवृक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवाया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आवासीय फ्लैट नं० 19, तीमरा खंड बहुमंजिली श्रूप हाउसिंग
स्कीम, गोरी अपार्टमेंट, 3 और 4 साउथ इंड लैन, नई
दिल्ली-110011।

डी० के० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4, नई दिल्ली

तारीख: 13-3-87

मोहर:

इन्हें द्वारा ही एवं पैमाने

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

पारा 269(१)(१) के अधीन वस्तु

नोटबुक्स

वाराणसी, उत्तर प्रदेश वाराणसी (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987

निवेदन मा० आई० ए० सी०/पू०/4/37८६/८-८६/४७-
अत मुझे, श्री० डी० के० श्रीवृष्टि स्वामी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-के अधीन वस्तु प्राधिकारी ने यह विश्लेष करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. रु. अधिक है

और जिसकी मा० ० है तथा जो ३-४ मात्र इड़

लेन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादान अनुमूली
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), नियमित अधिकारी के
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) रेज-4
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन
तारीख अगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थान
प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की पढ़ है और उसे यह विश्लेष
करने का उत्तरण है कि वापर्वैक्षण सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यान प्रतिफल से, उसे दृश्यान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्राप्ति उन्नियां उत्तरक्षय में जूड़ संबंधित जिसका ए
क्षात्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) उत्तरक तं हुइ किसी वापर की वावत, उत्तर
अधिनियम के अधीन वह देने के उत्तरक के
अन्तर्भूत में किसी वावते वा उत्तरे उत्तरे में विभिन्न
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी इन या अन्य आस्तियों
का, त्रिहूँ भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
उत्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभेक्षणार्थ अन्तरिती दवाने का उत्तर
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
प्रतिष्ठा के लिए,

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा—

- (1) कैलाश नाथ एंड एमोसिएट्स, 1006 कचनजंगा
18, वाराणसी रोड, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
- (2) श्री सुमदीप सिंह एंड रेणु सिंह 43000 टवल्ब
ओब्र क्रिसेट, एस्ट बी-101, नोवीमीलीग (यूएसए)
(अन्तरिती)

माँ यह सूचना बारो करके पूर्वोक्त समिति के बर्बन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उत्तरक अन्तर्भूत के बर्बन के सम्बन्ध में यहाँ श्री वाराणसी—

- (क) इह सूचना के उत्तरक के प्रकारण की तारीख से 45 दिन के अन्तर्भूत सातवाही अविक्तयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अविक्त थों भी
अन्तर्भूत वापर के सम्बन्ध में बहस नहीं है, जो भी वर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वारा कियी अविक्त द्वारा;
- (ख) इह सूचना के उत्तरक में प्रकारण की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर समिति में विवाद बहुत
किसी अन्य अविक्त इतारा, अभोहसाक्षरी के बारे
विवित में किए बा सकेंगे।

विवरण :—इसमें प्रबुक्त शब्दों वारे पदों का, जो उक्त
अधिनियम, वे अभाव 20-के में परिभ्रान्त
हैं, यही वर्तने वा उन्हें वारे के बारे
गया है।

वर्तने

आवामीय फलैट तादादी 1580 वर्ग फीट एक चपरासी
व्हार्टर 130 वर्ग फीट और ट्रैम 290 वर्गफीट दूसरा खंड
बहुमंजिशी हाउसिंग स्कीम, 3-4 साउथ इंडियन, नई दिल्ली।

डी० के० श्रीवास्तव
स्वाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4, नई दिल्ली

तारीख: 13-3-87

मोहर:

प्रूष आर्ट.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
काशीनिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987

निदेश सं० आई० प० मी०/एक्य०/४/३७६६/८-८६/
४८—प्रा. मुझे, डी० के० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पछात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अंदर संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी स० है तथा जो आवासीय फ्लैट तादादी
1520 वर्ग फीट 3 और 4 साउथ एंड, दिल्ली में स्थित है (और
इसे उग्रबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज-4, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 86

के पृष्ठोंका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरों
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
द्वारा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
मंतरिती (मंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कीर्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से मुद्दे किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ष में कमी करने या उससे बचवे में, संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तें को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1957
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) कैलाशनाथ एंड एसोसिएट्स, 1006, कंचनजंगा
18, बाराबस्त्रा रोड, नई दिल्ली-110001।
(अन्तरक)
- (2) श्री महिन्द्र सिंह ग्राम श्रीमती राजिन्द्र एम
सिंह पो० वाक्स 4713, चमरेश्वर 30, भी
एच-6301, जूग न्हीटजरशौड।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण्प :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की दास्तील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वारा में समाप्त होती है, तो भीतर पूर्णोदात
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितें द्वारा
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होता जा उस अध्याय में दिया गया है।

नमूदूर्ची

आवासीय फ्लैट तादादी 1520 वर्ग फीट भवेंट क्वाटर्स
130 वर्गफीट 1 दूमरा बंड 3 और 4 माउथ बंड, नई दिल्ली।

डी० के० श्रीवास्तव
संक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

तारीख : 13-3-87

मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार.

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च, 1987

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्य०/४/एस० आर०-३/८-८६/

24—अतः मुझे डी० के० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो गांव विज्वासन,
तहसील महरौली, दिल्ली में स्थित है (ओर इसमें उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक
आगस्त, 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदूष प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकां) और अन्तरिती
(अन्तरीतियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायत्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ये लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधौरु :—

- (1) श्री सुनील कुमार सोई, फ्लेट नं 204, सर्वे
प्रिय अपार्टमेंट, सर्वप्रिय विहार, नई दिल्ली-16
(अन्तरक)
- (2) श्री मत्यपाल गुप्ता, फ्लेट नं० 307, सर्वप्रिय
अपार्टमेंट, सर्वप्रिय विहार, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोवस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गांव विज्वासन, तहसील, महरौली, दिल्ली खसरा नं०
79/9(0-11'), 79/12 (5-4), 79/13 (4-16), 79/14
(1-0), 79/17 (1-13), 79/18 (3-16), 79/27
(0-9) और 1/8 भाग खाता खसरा नं० 79/17 (1-6),
79/4 (1-6), 79/7 (1-6), 79/4 (1-6), 43/24 (1-6),
43/17 (1-6) की होल्ड

डी० के० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़-4, दिल्ली :

दिनांक: 13-3-87

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च, 1987

निमेश मं० आई० ए० सी०/एक्य०/४/एस० आर०-३/८-८६—

ग्रहण: मूँझे, डी० के० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं०..... है तथा जो गांव मादीपुर,
तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (आंग इसमें उपाख्य
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्व्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके द्व्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्व्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखिस में
बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(के) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान :—

(1) श्री महाराज कुमार चन्द्र विजय सिंह सुपुत्र श्री महाराज
कमल सिंह निवासी दुमराव, जिला
भाँजपुर, बिहार।

(अन्तरक)

(2) लै० ज० एम० एस० बाड़निया सुपुत्र श्री एस०
हीरा सिंह गांव मादीपुर, तहसील महरौली, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिसबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि 1 बीघा और 9 ब्रिस्वा (1466 वर्ग गज)
खसरा नं० 350 मीन सिंगल स्टोरी, गांव मादीपुर, महरौली
तहसील, नई दिल्ली।

डी० के० श्रीवास्तव
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

दिनांक: 13-3-1987

मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस.

(1) श्रीमती नर्सिंह मल्होत्रा सुपर्णा मल्होत्रा (छोटी) और कुमारी अपर्णा मल्होत्रा (छोटी) जे०-३६७, न्यू राजिन्दर, नई दिल्ली।

आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 प (1) की सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

ग्रंथनं रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/४/एम० आर०-३/८-८६—
अतः मृष्टि, श्री डी० के० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो गांव जौनपुर,
तहसील मैहरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 86
को पूर्वोंकि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम कोइस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृष्टि यह विश्वास करने
जा कारण है कि यथापूर्वोंकि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थावर सम्पत्ति का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं
(अन्तरिताओं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उक्तदेश से उक्त अन्तरण तिलित में
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकि सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आर्यवाहियां शुरू करता है।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जैहरा श्रीपत राम, 6, चुरुङ्ग रोड,
इलाहाबाद।

(अन्तरक)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकि
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय अधिकारी
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निलिखित पर किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिणामित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवस्त, उक्त सम्पत्ति
विधिनियम की वापीम कर देने की अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

मृष्टि

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी जाना चाहिए था क्षण में
सुविधा के लिए;

कृषि भूमि तादादी 20 बीघा ब्रियरिंग खसरा न०
5/21, 6/1, 6/9, 6/10, 6/11, 6/2, 6/12, फार्म हाउस
समेत गांव जौनपुर तहसील महरौली, दिल्ली।

डी० के० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
ग्रंथनं रेंज-4, दिल्ली।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 13-3-1987

मोहर:

प्राप्त जारी दी.एच.एड.

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987

निवेदन सं. आई.ए. १० ए.मी.ए.क्यू./४/एम० आर०-३/८-८६—
अतः मुझे, डी० के० श्रीवास्तव

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. गे अधिक है।

और जिसकी संख्या है तथा जो 30 हनुमान
लेन, भाग प्लाट नं. 18, ब्लाक नं. 137, हनुमान रोड,
नई दिल्ली में थिन है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में
पूर्ण स्वर्ण से बाणत है), रजिस्ट्री हर्टी अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
एन्हर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तररका) और
अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्वयं
शाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरश्य में उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हरौ किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण ने कभी करने या उससे बचन में संविधा
ने लिए; और/या

(ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवाचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा
ने लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशाया (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० एल० सहगल (2) बी० एल० सहगल,
(3) श्री डी० के० सहगल, (4) बी० के०
सहगल सुपुत्र आर० एल० सहगल, 30, हनुमान
लेन, कनाट पनेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इंदिरा मनोचा पति श्री वी० के० मनोचा
सी-1, राजौरी गाड़न, नई दिल्ली श्रीमती स्नेह
प्रभा पति श्री एस० डी० मनोचा 1575,
सेक्टर 18-डी चंडीगढ़ विजय कुमार मनोचा
सुपुत्र एम० डी० मनोचा, सी-1, राजौरी गाड़न,
नई दिल्ली, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के निप
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के संबंध में कोई भी आक्षेप नहीं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में ब्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
बवायी बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों वें से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के
पास लिपित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण ने कभी करने या उससे बचन में संविधा
ने लिए; और/या

बनसूरी

प्राप्ती तादादी 41 $\frac{1}{2}$, x 82 $\frac{1}{2}$ जमा क्षेत्र
3423.75 वर्ग फीट 30 हनुमान लेन, भाग प्लाट नं.
18, ब्लाक नं. 137, हनुमान रोड, नई दिल्ली।

डी० के० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4, नई दिल्ली

दिनांक: 13-3-1987

मोहर:

प्रस्तुप बाईं. टी. एन. एस.-----

रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को
भारत 269 प (1) के अधीन लाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 15 अप्रैल, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/5/एस० आर०-

III/9-86/26—अतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 21 है तथा जो आनन्द लोक
कालोनी नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण हप में वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1961 की धारा 269 का
के अधीन तारीख मितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के तिर अंतर्गत की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने
का कारण है कि प्रथापद्वारा सम्भाले का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(a) अस्तरण से हूँ इसी काय की वादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को मिल;

(b) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को इन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तिर्गत हवाल प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिसने मैं सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधारत :—

(1) श्रीमति भारती एस० चौधरी पति स्व० श्री शांती
लाल चौधरी ई-15 गीतांजलि नई दिल्ली ।

(अन्तर्क)

(2) श्री विठ्ठल पुत्र श्री डाक्टिका दाम भाटिया तथा श्रीमति
शनी पति श्री विठ्ठल भाटिया 182-ए स्काई
स्कैपर वार्डन रोड नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
वर्दीध ढांड में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वधारा वधारा वधारा वधारा वधारा
लिखित में किए जा सकें।

प्रत्यक्षीकरण :—इसमें प्रबन्ध सम्बोधी वार्ता का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्धुवी

प्लाट नं० 21 आनन्द लोक कालोनी नई दिल्ली
793.30 वर्ग गज लीज होल्ट।

ए० के० मनचन्दा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5 नई दिल्ली

तारीख : 15-4-1987
मोहर

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

(1) श्री मुरेश एम० कोठारे और श्री मुभाव एम० कोठारे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) मेमर्स राजा इवलपर्स।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 अप्रैल 1987

निदेण सं० आई-2बी/37ई-37675/85-86ग्र०: मुझे,
एम० एम० राय,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर गम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट नं० 66, मातृधाया, सान्ताकुज
(पु०) बम्बई-55 है तथा जो सान्ताकुज (पु०) बम्बई में
स्थित है (इसमें उपांडि अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा, आयकर अधिनियम की
धारा 269 का घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 22-8-86को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूँ कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के धायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की हासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।लाल्होलरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 66, मातृधाया बिल्डिंग टी० फी० एम०
नं० 3, सातकां रोड, सान्ताकुज (पु०), बम्बई 400055
में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2बी/37ई-37675/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
22-8-86 को रजिस्टर्ड किया गया।एम० एम० राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2बी, बम्बई।

दिनांक: 3-4-1987

मोहर:

हस्त वाइट.टॉ.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अधिनियम, सहायक आयकर वायकर (विवरण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 अप्रैल 1987

निदेश सं. अई-2बी/37ई-37804/85-86—अतः मुझे,
एम० एम० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विविध उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. पॉर्टेट नं. 5-बी, है तथा जो भवानी अपार्ट-
मेंट खार, बम्बई-52 में स्थित है (ग्रौंड फ्लॉर से उपावढ़ अनुसूची
में अंग पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम की धारा 269क द्वारा की अधीन सकाम प्राधि-
कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 28-8-86
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अद्यमान प्रतिफल से, ऐसे अद्यमान प्रतिफल का
अन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कांधल नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दरविष्ट में कभी करने वा उसके बचने में सूचित
के लिए; बाईं/या

अनुसूची

(ख) एकी किसी आय वा किसी भूमि या अन्य ग्राम्यका
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम की
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
वा प्रायोकार्य अन्तरिती द्वारा प्रदृष्ट नहीं किया
वाया वा या किया जाना चाहिए था, लेकिन उसकी
सूचित के लिए;

"पॉर्ट नं. 5-बी जो भवानी अपार्टमेंट, आफ कार्टर
रोड, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

अनुसूची जमाकि क्र. सं. अई-2बी/37ई-37804/85-86
और जो सकाम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-86
को रजिस्टर्ड किया गया।

एम० एम० राय

सकाम प्राधिकारी

महायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व का उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित घटितयों, अधित :—

6—86 GT/87

- (1) श्री डेविड विलियम जॉन अलवारीस
(अन्तरक)
(2) श्री नीलकंठ एम० पाठों
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजनन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचने के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकल्पों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो बी-
बी बचवाव बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविकल्पों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा वधुहस्ताक्षरी के पास
तिवित भूमि किए वा सक्ते।

लाप्टोकरण.—इसमें प्रदृक्षत शब्दों वारे पदों का, जो उक्त
अधिनियम, वा अन्य 20-क में वरिभाषित है,
शहो अर्थ होगा, जो उस अन्य भूमि द्वारा वा
है।

दिनांक: 3-4-1987

मोहर:

प्रस्तुत लाइन, दौ. पत्र. एव. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(1) श्री डेसमान्ड ग्रलवारीस

(अन्तरक)

(2) डा० श्रीमती प्रमीला के० दाते

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 अप्रैल 1987

निदेश सं० अर्द्ध-2बी/37ई/37805/85-86—ग्रन्त: मुझे,
एम० एस० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिहका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट न० 5-ए, है तथा जो भवानी अपार्टमेंट
खार, बम्बई-52 में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आद्यता
अधिनियम की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है दिनांक 28-8-86
को पूर्वान्तर सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
दास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया आता जाती था, लिपाने में संभिल
के किए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर,
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

फ्लैट न० 5-ए, जो भवानी अपार्टमेंट्स, प्राक कार्टर
रोड, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्द्ध-2बी/37ई-37805/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
28-8-86 को रजिस्टर्ड किया गया।

एम० एस० राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2बी बम्बई।

दिनांक: 3-4-1987

मोहर:

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 अप्रैल 1987

निवेदण सं० अर्द्ध-2बी/37ई-27718/85-86—अतः मुझे,
एम० एस० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें
दृष्टके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 64, है तथा जो सान्तान्त्र-
कुज (प.), बम्बई में स्थित है (अंगूर इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम की धारा 269-वा के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 22-8-86
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथोपर्याकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अधिकान प्रतिफल से, ऐसे अधिकान प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकर्ता) और अस-
रिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
भास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की आवत्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर इन के अनुसूचि के
वायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में संविधा
के लिए; और/या

(ब) पर्याकृती किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
की प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मीनावाई निकमदास, नरोत्तम दास टी०
ताप्रानी और द्रेविदास रामचन्द्र।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपाल एल० रहेजा, गिरोर एल० रहेजा,
चन्द्र एल० रहेजा और सुरेश एल० रहेजा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारीयों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य अधिकारी द्वारा, विभेदस्ताकरी के पाद
निवृत्ति में किये जा होंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ण होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका फायनल प्लाट नं० 64, टीपीएस
2, सी०टी०एस० नं० 189 से 194, ग्रीन स्ट्रीट और टागोर
रोड के कोने में सान्तान्त्र-कुज (प०), बम्बई है।

अनुसूची जैसा कि अ० सं० अर्द्ध-2बी/37ई-37718/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
22-8-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एस० राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

दिनांक: 3-4-1987

मोहर:

प्रस्तुप गाइडी.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मार्च, 1987

निवेदण सं. ० अई-२बी/३७ई-३७३०२/८६-८७—अतः मुद्दे,
एम० एम० राय;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. ० फ्लैट नं. १२, है तथा जो एलोग, खार,
बम्बई-५२ में स्थित है (श्रीर इम०; उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है) और निमका करारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269 कानून के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक ४-४-८६

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से छोड़क है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी
(अन्तरिकीयों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, चिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हीं किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण,
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

(1) श्रीमती शारदा रानी बन्दीर मिह और श्री
प्रभागर हुकमचन्द (अन्तरक)

(2) श्रीमती गांतिबाई गिरधारीलाल मन्याल, श्री गिर-
धारीलाल मन्याल, श्री नरेण गिरधरीलाल मन्याल
और श्री किशोर गिरधारीलाल मन्याल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांहै भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट धं. १२, जो पहली मंजिल, एलोग को. ० आप०
हाउसिंग मोसायटी जिमिटेड, चौथा रोड, खार, बम्बई-४०००-
५२ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं. ० अई-२बी/३७ई-३७३०२/
८६-८७ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
दिनांक ४-४-१९८६ को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एम० राय
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-२बी, बम्बई

दिनांक : 31-3-1987
मोहर :

प्रकृत वाइ. टी. एन. एड. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मार्च 1987

निदेश सं. ० अई-२बी/३७६६१ ३७२३८/८६-८७—ग्रेट: मुझे,

एम. ० एम. ० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ० फ्लैट नं. 102 नथा जो मूज़ल
मान्ताकु नं. (५) बम्बई-५४ में स्थित है (और इसने उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और इसका करारनामा
आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्रम
प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रफ्टी है दिनांक 4-८-८६
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंडह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
बतरिती (बतरितियों) के बीच ऐसे बतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरित लिखित
में वास्तविक रूप में कीपत नहीं किया गया है :—

(क) बन्सरण से हुए किसी आय की बोबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने वाले नियम के
वाचिक में कभी करने या उससे बदले में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य भास्तव्यों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अतिरिक्त दिवारा प्रकट नहो किया गया
या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए;

बहु: अब, सक्र अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) स्काय बिल्ड प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री मुरेण कुमार लक्ष्मीलाल गेल्डा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहीन सुक कर्त्ता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित कोई भी वापर नहीं है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या उत्तमतात्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और और
अवधि दोनों में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हित-
हात किसी व्यक्ति द्वारा, व्यापारिक व्यक्ति के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
विद्या गया है :

बन्सरणी

फ्लैट नं. 102, जो मूज़ल, ए० घ्नाट नं. 13, टी० पी०
एम. ०, मान्ताकु नं. (५), बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. ० अई-२बी-३७६६१-३७२३८/
८६-८७ और जो सक्रम प्राधिकारी बम्बई धारा दिनांक
4-८-१९८६ को रजिस्टर किया गया है।

एम. ० एम. ० राय

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई।

दिनांक: 31-3-1987

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 भर्ष्व, 1987

निदेश स.० आई-2बी/37ई-37284/86-87—अतः मुझे
एम० एस० राय

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० 24, साई दर्शन सान्ताकुत
(प), बम्बई-54 में स्थित है और इसमें उपावड
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
वर्णित है), और जिसका करारानामा आयकर अधिनियम
की धारा 269 का अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 4-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इन्द्रान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इन्द्रान
मान प्रतिफल से, ऐसे इन्द्राना मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
ज्ञानेक है और अन्तरंग (अन्तरंगक) और अंतरिती (अंतरितियाँ)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्दित में वास्तविक रूप में
कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरंग के
दायित्व में कमी करने या उसमें ढंगने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य अस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-का
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती ऊरा एच० सरवया और हरीग ए०

रवैया

(अन्तरंग)

(2) श्रीमती वासुमति ए० शाह और श्रीमती ग्ररविद
एम० शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांडे भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बावजूद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्षताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 24, जो छठवीं मंजिल, साई दर्शन को०
आप० सोमायटी लिमिटेड, एस० आई० रोड, सान्ताकुज
(प) बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2बी/37ई-38284/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
4-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एस० राय
मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई।

दिनांक: 31-3-1987

मोहर:

प्रकल्प नाइर.टी.एन.एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयोगीय, उद्योगकर वायकर वायकर (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2 बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मार्च, 1987

निदेश सं० आई-2बी/37ई-37151/86ब87—अतः मुझे,
एम० एस० गय,वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन गश्म प्राधिकारों को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानर अधिकारी, नियम अंतर्गत अधिकारी का
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लट नं० 102, है तथा जो होल्मकापट
मान्ताकुञ्ज, बम्बई-54 में स्थित है (अग्र इसमें उपाध्यक्ष अनु-
मूल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका कगरनामा
आयकर अधिनियम की धारा 269-व के अधीन मक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-8-

1986 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापवेक्षित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्याह प्रतिपादन से भौतिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिर-
क्षम नियालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण नियित मौ बास्त-
विक द्वारा संकाशित नहीं किया जाया है ।(क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन अर इने के अधिक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी इन या अन्य आंसूतियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुद्रित
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मेरियन फरेंग

(अन्तरक)

(2) श्री चाम्पशीला रमाकांत विचारे और उमेश
रमाकांत विचारे ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह अकित जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अपने के भिन्न
कार्यवाहियों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में द्वित-
वद्य विस्तीर्णी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिये
गये हैं ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 102, जो पहली मंजिल, होल्मकापट, एस०

वी० रोड, मान्ताकुञ्ज, बम्बई-400054 में स्थित है:

अनुमूल्य जैसा कि अ० सं० आई-2बी/37ई-37151/
86-87 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एम० एस० राम

मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2बी; बम्बई

दिनांक: 31-3-1987

मोहर:

प्रकृष्ट आदौ. टी. एन. एड.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा
269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

ग्राम्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मार्च 1987

निदेश सं० अर्ड-2बी/37ई-37672/86-87—ग्रतः
मुझे, एम० एस० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च
के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कारण है कि रथावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पैनेट नं० 600, अपनी, सान्ताकुज (प.), बम्बई-
54 में स्थित है (और इससे 'उपाबद्ध अनुसूची में' और पूर्ण रूप से
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा
269 कानून के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कायालिय, बम्बई में
रजिस्ट्री है दिनांक 22-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भभे दह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिषांत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित एवं
पासविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से 'हुए' किसी वाय की धारत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्य में कमी करने या उसमें बदलने पर सूचना
के लिए, बाई/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया आना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः वक्त अधिनियम की भारा 269-च के अनुसर
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

(1) एन० आर० एन्टरप्रायसेम।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उपा जैन अंग श्री मनोज कुमार जैन।

(अन्तर्गती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन में
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन में सम्बन्ध में कोई भी वाक्यपूर्वक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के दाम
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—दूसरे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

पैनेट नं० 600, जो उक्तीं मंजिन, अपनी, मेन्ट्ल एवेन्यू
सान्ताकुज (प.), बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्ड-2बी/37ई-37672/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एम० राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

दिनांक : 31-3-1987

मोहर :

प्रकृष्ट-आई.टी.एन.एस. -----

भाग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

उक्त सूचना

प्रधानमंत्री, सहायक बाजार आयुक्त [प्रियोगलक्ष्मी]

अर्जन रेज-2वी, वम्बई

वम्बई, दिनांक 31 मार्च 1987

निदेश सं. अई-2वी/37ई-37141/86-87—अन:

मुझे, एम० एस० राय,

भाग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. ५४, माईधान, खार, वम्बई-५२
में स्थित है (आंग इसमें उपादान अनुसूची में अंतर पूर्ण रूप से
बर्णित है) और जिसका कागजामा आंग अधिनियम की धारा
269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कायलिय, वम्बई में
रजिस्ट्री है, दिनांक 1-८-१९८६

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेल के अनुसार अंतरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
दरमान पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान
प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
रज़िस्ट्रेशन से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से की गयी नहीं
किया गया है ।

(क) अन्तरण से हाउंड किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा को लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
नहीं लिए;

आ: १८८, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अंतर्त:—

7-86 GT/87

(1) श्री मुख्यमंत्री मिश हरनाल ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्व एकीट एण्ड कोर्पोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्यदृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित रूप से किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. ५४, जो दूसरी मंजिल, माईधान, मोलावा
रोड, खार, वम्बई-400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं. अई-2वी/37ई-37141/
86-87 और जो मक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 1-८-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एस० राय
मक्षम प्राधिकारी,
महायक आगवान आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2वी, वम्बई

दिनांक : 31-3-87

मोहर :

प्रकृष्ट श्राव. दी. एन. एस. —————

वक्तव्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के वर्तन सुचना

प्राप्ति संशोधन

प्रायोगिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मार्च 1987

निदेश मं. श्री-2बी/37ई-37549/86-87—ग्रन्त:

मुझे, एम. एम. राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी मं. फ्लैट सं. 10, प्रीमा अपार्टमेंट्स खार (प),
बम्बई-52 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कायलिय
बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 14-8-1986

को पूर्वोपति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के सिए बन्तरित की गई है और
उक्ते यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उक्त अवधि से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में बन्तरित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ-हूँ किसी आय की आबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर खने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उमसं बचने में सुविधा को लिए;
और/या

(ल) एसी किसी बात या किसी धर्म या धर्म वासिताओं
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अ. १८८८, आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
जैसे प्रयोगनामी वस्तरिती इवारा प्रकृष्ट बही किया
गया था या किया जाना आहिए था जिसे में
दृष्टिकोण में लिए;

अत. अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरीगम ए. फटनानी ।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर एम. मोटवानी और श्रीमती रेखा
एम. मोटवानी ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोपति संपत्ति के बर्बन के विषय
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्वेष :—

(क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वा
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सुचना की सामीन से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोपति
अधिनियम में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वा
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदब्धि
किसी बन्द व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकें।

लक्षण-इसमें प्रयुक्त शब्दों और वहों का, वा उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभासित
है, वही बर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया जा
है।

अनुसूची

फ्लैट मं. 10, जो प्रीमा अपार्टमेंट्स, कोर्नर आफ सातवां
और आठवां रोड, प्लोट मं. 639, खार (प), बम्बई-400052
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. मं. श्री-2बी/37ई-37549/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-
1986 को रजिस्टर्ड विद्या गया है।

एम. एम. राय
सक्षम प्राधिकारी
महागढ़ आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

दिनांक : 31-3-87

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) मिस्टर श्री नारायण मिश्रा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० एल० दूगल और श्रीमती भावनेश बी०
दूगल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मार्च 1987

निदेश सं० आई-2बी/37ई-37198/86-87—अतः
मुझे, एम० एस०, राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, ओशन व्हीयू, खार, बम्बई-52
में स्थित है (ओर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसमा न्यायकर अधिनियम की धारा
269 का क्षेत्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
दृश्य प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विवित वे
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति वे अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइं भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्वय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहेस्ताक्षरी के पास
लिखित रूप से किए जा सकें।

लक्षणीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में विभागित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय के विवा
षय है।

नूसूची

'फ्लैट नं० 102, जो पहली मंजिल, ओशन व्हीयू, डेवलन
को०-एप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, यूनियन पार्क, खार,
बम्बई-400052 में स्थित है।'

अनुसूची : जैसा कि क्र० सं० आई-2बी/37ई-37198/
86-87 और जौ सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-
1986 को लिखा किया गया है।

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, वर्धात् :—

दिनांक : 31-3-1987

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स के० आर० एसवेसिएट्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री जीगिंदर सिंह सभारवाला ।

(अन्तरिती)

आदेश अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

प्रार्थित, सहायक आयकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-2ए/37ई-37088/85-86—अतः
मुझे, ए० बैद्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 104, होरायजोन ब्हीयु अंडेरी
(प), बम्बई में स्थित है (और इसमें; उपांडद अग्रसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
की धारा 269 कब्द के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें इवंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ दृजा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 104, जो पहली मंजिल, और स्कूटर पार्किंग
सं० 13, होरायजोन ब्हीयू 1, फ्लैट सं० 70, सर्वे सं० 91ए
(पार्ट), 96ए (पार्ट), आंफ जय प्रकाश रोड, वर्सोवा, अंडेरी
(प), बम्बई में स्थित है।

अग्रसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2ए/37ई-37088/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-
1986 के रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० बैद्य
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आय—(निरीक्षण)
अर्जन रेज-2ए, बम्बई

दिनांक : 13-4-1987

मोहर :

प्रसूप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

(1) मसर्स के ओ आरो एमोसिएटस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व के अधीन सूचना

(2) श्री अवतार कौर खांबे और श्री सूहेल सीग खांबे।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निदेश सं० अर्द्ध-2ए/37ई-37674/85-86—ग्रन्तः

मुझे, ए० बैद्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट सं० 304, होरायजोन व्हीयू अंग्रेजी
(प), बम्बई-61 में स्थित है (और इस उपादान अनुमूल्य
में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका कराराना आयकर
अधिनियम की धारा 269 कथ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 22-8-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ द किसी आय की आवह, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीर्थी करता है।

उक्त रम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की ताक्षील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितक्षुद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्षस्तक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 304, जो होरायजोन व्हीयू 1, प्लॉट सं० 70
मर्वे सं० 91ए (पार्ट), 95ए (पार्ट), ऑफ जय प्रकाश रोड,
वसौंवा, अंग्रेजी (प), बम्बई-400061 में स्थित है।

अगुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्द्ध-2ए/37ई-37674/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० बैद्य
मर्वम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त—(निरीक्षण)
अर्जन रेज-2ए, बम्बई

दिनांक : 13-4-1987

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशास (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुति आई. टी. एन. एस.-----

(1) टीप्स एण्ड टोम कॉम्प्लेटेक्स प्राइवेट लिमिटेड
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-व के अधीन सूचना(2) टिप्प एण्ड टोम कॉम्प्लेटेक्स (इंडिया लिमिटेड)।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निवेश सं० अई-2ए-37ईई/37818/85-86—अनः
मुझे, ए० बैद्य,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल गाला सं० 120, अंधेरी
इण्डस्ट्रियल स्टेट अंधेरी बम्बई 59 में स्थित (है और इसमें उपांचाई
अनुमूल्य में और पूर्णरूप में वर्णित है) और जिसका
कारण नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब्जे के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक
29-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचनाएँ की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से सूचना द्वारा व्यक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूल्य

"इण्डस्ट्रियल गाला सं० 120, जो अंधेरी इण्डस्ट्रियल
स्टेट, बीरा देसाई रोड, वर्मविंग अंधेरी, बम्बई-400059 में
स्थित है।

अनुमूल्य जैसा कि क्र० सं० अई-2ए-37ईई-37818/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया।

ए० बैद्य
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2ए, बम्बई

दिनांक : 13-4-87

मोहर :

प्रकृष्ट घाई-टौ.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

मात्रत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2ए, वर्मवाई

बम्बई, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निदेश मं० श्रई-2ए/37ई/37639/85-86—अतः मुझे,
ए० बैद्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 203, फ्लैट मं० 203, होरायजोन क्षीय श्रंखला
(प०, बम्बई-61 में स्थित है (और इसने उपावद अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसना करारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269 रुख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 21-8-1986,
जो पृच्छा भंपति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्यकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके व्यवहार प्रतिफल में ऐसे व्यवहार प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी आय की धावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः जट, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) भेसर्स के० आर० एमोनिएट्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रेनू विश्वास इडनानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संत्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

"फ्लैट सं० 203, जो दूसरी मंजिल, होरायजोन क्षीय १,
फॉट सं० ७०, सर्वे सं० ९१ए (पार्ट) और ९५ए (पार्ट),
आंफ जय प्रकाश रोड, वर्मवा, श्रंखला (प), बम्बई-400061
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-2ए/37ई/37639/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० बैद्य

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2ए, बम्बई

दिनांक : 13-4-87

ष्टहर :

उच्च बालौ. दी. एव. पर. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

साधारण, सहायक आयकर बायक्स (पिरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-२ए/३७६६-३७७९९/८५-८६—प्रत:

मुझे, ए० बैद्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिसे इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी से, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सं० 21, 23, 24, साटम इण्डस्ट्रियल इस्टेट, अंधेरी (पु०), बम्बई-६९ में स्थित है (आँग इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कायलिय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 28-८-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इकायान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इकायान प्रतिफल से ऐसे इकायान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससं बदलने में सुविधा है लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ० ४ अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा है लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती रमीदर कौर चावला और एस० अर्जीत सिंह चावला ।
(अन्तरक)
(2) मेसर्स ओमेंगा प्रायरप्रायमेस ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारण ।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बाबत या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन को बाबत, जो भी उक्त बाय व समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वह अर्थ होंगे, जो उ० स अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"यूनिट सं० 21, 23, 24 जो तिसी मंजिल, साटम इण्डस्ट्रियल इस्टेट, चकाला, बम्बई-400069 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि श० सं० आई-२ए/३७६६/३७७९९/८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-८-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० बैद्य
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त —॥५५ (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-२ए, बम्बई

दिनांक : 13-4-87

मोहर :

प्रश्न बाइंटौर्स, एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयकर (निरीकण)
अर्जन रेंज-2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निवेश मं० अई-2ए/37ई-37405/85-86—ग्रन्तः

मुझे, ए० बैथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० यूनिट मं० 19, 20, 21, 22, साटम इण्ड-
स्ट्रियल इस्टेट, अंधेरी (पु०) बम्बई-93 में स्थित है और इसमें
उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका
करान्नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब्जे के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कायलिय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक
11-8-1986,

कि पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकान
ग्रन्तिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अधिकान ग्रन्तिकाल से, ऐसे अधिकान ग्रन्तिकाल का
ग्रन्ति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पादा गया
ग्रन्तिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी ऐसी आव या ऐसी भव या अन्य वास्तवियाँ
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तीर्ती द्वारा ग्रेट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपान मं० नु०-भा
वे लिए;

अतः अ०, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों दर्शात् :—

(1) श्री आनन्द कृष्णाजी साटम

(अन्तरक)

(2) मेसर्स फर्मांकोन रेमेडीज (बोम्बे) प्राइवेट लिमिटेड
(अन्तरिती)

कि यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैतन के संबंध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में स्थापात होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्ताकरण:—इसमें प्रदूषक शब्दों और एवं का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्धुसूची

"यूनिट मं० 19, 20, 21, 22, जो साटम इण्डस्ट्रियल
ए० सी, चकाला, अंधेरी (पु०), बम्बई-400093 में
था।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2ए/37ई/37405/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० बैथ
सक्षम प्राधिकारी
तहायक आयकर आयकर (निरीकण)
अर्जन रेंज-2ए,
बम्बई।

दिनांक : 13-4-1987

मोहर :

इकाई बाइ.टी.एन.एस.
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) मेसर्सं समाट विलडम् ।

(अन्तरक)
(2) मेसर्सं एन० जी० विल्डर्स एण्ड डेवलोपर्स ।
(अन्तरिसी)

नाम सुनिश्चित

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निवेश सं० अई-2बी/37ई/37530/86-87—ग्रन्त.

मुझे, एम० एम० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘वित्त राज्य में इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्वप्ना, प्लॉट सं० 52, सान्ताकुज (प.), बम्बई-54 में स्थित है (और इसमें उपावन्न अनुसूची में और पूर्णस्पष्ट से वर्णित है) और जिसका कागदनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब्द के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 14-8-1986,

को प्रार्थित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अनुकूलता के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विवाद उक्ते का कारण है कि वथापूर्वकत उम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतीकल से, उस दृश्यमान प्रतीकल के अनुप्रतीक से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अंतरिती (अन्तरितीय) के बीच इसे अन्तरण के लिए तब प्राया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश से उक्त अन्तरण सिद्धि दे दास्ताविद्ध रूप से कीजिए नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण है तरुं जिसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने की अन्तरक वैदायित्व में लम्बी करने वा उसके बचत वा सुधार के लिए; बाई/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी उन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

“स्वप्ना, एस० बी० रोड, अकबरलीज के सामने, प्लॉट सं० 52, सान्ताकुज, (प.), बम्बई-400054 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2बी/37ई-37530/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एम० राय
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

दिनांक : 10-4-87

मोहर :

अध्यक्ष: बाय, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिक :—

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फार्मलिय, सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनाक 8 अप्रैल 1987

निदेश भा० अई-1/ए/37ई/25/12244/86-87-

अत. मुझे, निसार अहमद,

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु में अधिक है

और जिसकी भा० पलैंट भा० 46, मुनीता, न्यू मुनीता को०-आप०
हाउसिंग मोमायटी लि०, कुलाबा पोर्ट आफिस के सामने,
कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (और इसमें उपांडड अनुसूची
में और पूर्णस्व से वर्णित है) और जिसना करारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269 अब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के नायांत्र, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनाक 4-8-1986,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
मूल्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
व्यक्ति भूमि वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्री शिशिनचन्द्र नंदीलराम सप्तानी और श्री
रमेश किशीनचन्द्र सप्तानी, ध्रू द्विं डुली कन्नटी-
टायटेड अटर्नी श्रीमती रोमा के समतानी।

(अन्तराल)

(2) हिन्दुस्तान लिवर लिमिटेड।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में
सम्पत्ति है)

(4) अन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-
लाखरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में दिनबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तवेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-व में परिभ्रायित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हूँ इसी किसी आव की, आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में हृविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को चिन्ह भारतीय आधिकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अन्य-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या मुद्रित गया था, छिपाने में हृविधा
के लिए;

फैट म० 46, मुनीता, न्यू मुनीता को०-आप० हाउसिंग
मोमायटी लि०, कुलाबा पोर्ट आफिस के सामने, कुलाबा, बम्बई-
5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० म० अई-1/37ई/10606/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 4-8-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1ए, बम्बई

दिनाक 8-4-1987

मोहर :

अतः ज्ञा, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्त्तत :—

प्रस्तुति गाइड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निवेदण सं. अई-1/37ई/36/12340/86-87—अतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 81, मेकर चैर्चर्स-6, 220 नगीमन पांडिट
बम्बई-21 में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 18-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान
प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से की जा रही
की जिया गया है :—

(क) अन्तरण के हूर्दे किसी बाय का, बाबू, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
शायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(1) मिड-डे पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) नेटवर्क फाइनान्स एण्ड लिसिंग कम्पनी प्रा० लि०।
(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षणेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
लम्बी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी उच्च व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त व्याप्ति जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन वा अन्य आदिकों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा
के लिए;

81, मेकर चैर्चर्स-6, 220, नगीमन पांडिट, बम्बई-21 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं. अई-1/37ई/10642/85
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार प्रह्लाद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

अन् अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुति आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निदेश मं० आई-1/37ई/4/12330/8 6-87:—अतः
मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लट मं० पी-8, तीसरी मंजिल, पेट्रोपोलिस,
कुलाबा-काजवे, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है और इसमें
उपावड़ अनुसूची में ग्रांट पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के कारण
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक
18-7-1986,

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
पचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तथा पाया गया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

- (1) डा० गुरु चरन मुखर्जी और श्रीमती सांता मुखर्जी
(अन्तरक)
- (2) श्री घनश्याम जी० दुसेजा और श्री राजेश जी०
दुसेजा ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के 3 जने के संबंध में कांदे भीआक्षेप :—

- (क) इस सूचना की यज्ञाव वा प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा सत्राव्याप्ति व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णत
व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लट मं० पी-8, तीसरी मंजिल, पेट्रोपोलिस, कुलाबा-
कॉजवे, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० मं० आई-1/37ई/10638/85
86 और जो सभी प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-
1986 को रजिस्टर किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, ए, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

प्रध्यक्ष आर्द्धे.टौ.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-1ए/37-ई/50/अई-1/12493/86-87
—अतः मुझे, निमार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 161 और 162, मिन्नल कोर्ट,
ए-विंग, 16वीं मंजिल, 224, नरीमन पॉइंट, बम्बई-21
में स्थित है (अंतर्न उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका तारानामा आयकर अधिनियम की धारा
269 कथ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संदर्भ से उक्त बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्नार्फ (अन्तर्गतों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे द्वारा द्वारा लिए गए
पांच वर्षों के दृश्यमान प्रतिफल से उक्त बास्तविक
विकल्प में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए;
अर्थ/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिलगां
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहित के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) वि दाइलो फेररो अलॉइज प्रॉफेट लिं.
- (अन्तरक)
- (2) ब्यूम्य लिमिटेड।
- (अन्तरिती)
- (3) अन्तरकों ।
- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किए अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी
के पास प्रदित्त में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 161 और 162, मिन्नल कोर्ट, ए-विंग,
16वीं मंजिल, 224, नरीमन पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ई/10691/8-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

तारीख : 8-4-1987

मोहर :

प्रह्लाद पटेल
प्रह्लाद पटेल

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, साक्षम आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीनगर रोड-1ए, बम्बई
बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निवेश सं० अई-1/ए-37ई/40/अई-1/12386/86-87-

अस्त: मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थापत्र संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

5,00,000/- रु में अधिक है

और जिसकी में फ्लैट नं० 9बी, 9बा, मंजिल, क्लोवर अपार्ट-
मेंट्स, 29, कफ परेण्ड, कुलावा, बम्बई-5 में स्थित है (और
इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 ग्रन्थ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के वायनाम, बम्बई में रजिस्ट्री है,
तारीख 25-8-1986

को प्रार्थना सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक का
वायनाम में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए, बाई/वा

(घ) ऐसी तकनी आय या किनी धरा या अन्वर, आस्तीय
को, जिन्हे 1922 का अन्वर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
पन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
ने दिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-86 GT/87

(1) श्री नरगिज गम्भाद पटेल ।

(अन्तरक)

(2) श्री मफूदीन शेख नाहरभाय खोराकीवाला ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

जो यह सूचना आरी करके प्रार्थना सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्या शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प्रवान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अद्वितीय दाव में भागी होता हो, के भीतर प्रार्थना
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
विवृधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा गकेंगे।

विवरण — इसमें प्रथम १-दो और पढ़ो का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति है।
वही अर्थ हांगा, जो उम अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 9बी, 9बा मंजिल, क्लोवर अपार्टमेंट्स, 29,
कफ परेण्ड, कुलावा, बम्बई-5 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० म० -1/37ई/10698-ए/
8-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-1ए, बम्बई

तारीख 8-4-87

मोहर :

प्रस्तुप जाई, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

‘भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निवेश मा० श्री-1-ए-37ई/27/वै-1/12247/

86-87—अल: भृष्णु, निमार अहंद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उच्चत अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, उह पिंचास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मा० पर्सेट नं० सी-63, 109ए, बुड हाउस रोड, मेहराजिन को-प्राप्त० हाउसिंग सोसाऊ लि०, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कदम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-8-1986

फो प्रोक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रोक्ति सम्पत्ति या उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाष्ठा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्चत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(1) रॉबर्ट पी० डिसा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीनती झैनव एम० खानजी और श्री मोइसीनमानी खानजी ।

(अन्तरिती)

को इह सूचना जारी करके प्रवृत्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिया करता हूँ।

उच्चत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण —

(क) इस सूचना के गजपत्र से प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि सा तत्सम्बन्धी न्यूक्लियर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या उन दोनों दिनों में समाप्त होती हो, के भीतर प्रत्येक तारीखियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ल) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्चत स्पापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोनुसारी वा पारिति में छिपे या मारे गये ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, जो उच्चत अधिनियम के अध्याय 20-के में विभागित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत, उच्चत अधिनियम के अधीन कर बने के अंतरक के वायिल में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या उन्ही आर्जनों का जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्चत अधिनियम, या उच्चत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहो किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सविधा के लिए;

अन: उच्चत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उच्चत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

फ्लैट नं० सी-63, 109-ए, बुड हाउस रोड, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि शा० मा० श्री-1-ए/37ई/10609/8-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1986 को रजिस्टर किया गया है ।

निमार अहंद
सक्षम प्राधिकारी
महाय न आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1-ए, बम्बई

तारीख: 8-4-1987

माहूर :

प्रस्तुत दास' दी. पप. पख. ——————

प्रथक विधिविद्यम्, 1961 (1961 का 43) की
पां २८० व (11 अं विधि विधन)

प्राची वर्षा

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, बम्बई

बम्बई, दिनांक ८ अप्रैल १९८७

ਨਿਦੇਸ਼ ਸੰ. ਅੰਤੇ-1-ਏ/37ਈ/39/ਅੰਤੇ-1/12385/86-87-

अनः भक्ते, निसार अहमद,

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे एस्ट्रॉ हस्को प्रधान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत 269-वीं ने अधीन संक्षम प्रांगनकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 21, 2मरी मंजिल, सतनाम अपार्टमेंट्स, रुफ पर्सेड, बम्बई-5 में विथा है (प्रारंभमें उपायद्वय श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण न्यू से वर्णित है) श्रीर जिसका गुरारनामा प्रायर अधिनियम की धारा 269 क्षब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के दायरिय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और इसके बहु विवादों करने के कारण है। इस यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल, एवं इस दृष्टमान प्रतिफल का निर्दृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) श्रीर अन्तरिती (अंतर्गतियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तद पाया गया एवं अतिकाल, निम्नलिखित उद्दीप्ति म उक्त अन्तरक विभिन्न से संबंधित कार्य से कठित तरीं किया गया है—

(क) बस्तरुम से हृष्ट किसी नाय की बाबत, उसम
अधिनियम, जो व्याप्ति कर देने के बस्तरक वा
वापिष्ठ में कभी करते थे उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(३) एसी किसी भाषा या किसी भन्य आस्तिथा
 १० बिहारीभाषा आय-कर अधिनियम, १९२२
 (१९२२ का ११) तो उक्त अधिनियम या
 अन्यतर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
 अप्रज्ञार्थ अन्तरिक्ष इवारा प्रकट नहीं किया
 गया था ले किया जाता चाहिए था, लिपाने में
 "प्रभा वे बिहारी

सौ मह मुख्यालयी कारबो प्रवासित प्रम्पति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवाप —

(क) इस सूचना के राज्यों में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या उत्तमावधि अवधियों पर सूचना की पार्सेल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भौतिक प्रकाशन अधिकारियों में से किसी अधिकत दृष्टा.

(व) इस संघर्ष के दौरान में अकालीन की तारीख से 45 दिन की अधिकार उत्तर स्वामी रम्याचार सम्प्रति वो हितवद्युप दिक्षी बाल अविवत बुद्धारा ब्रह्मोत्सवाकारी की नाम निविदि में किया था इसीने ।

प्रधानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधानीयम, के मध्यांश 20वें से गत्तियोगत हैं, वही कथ्य होंगा, जो इस अध्याय का एक

अन्तर्राष्ट्रीय

फ्लैट नं० 21, 2सरी मंजिल, सतनाम अपार्टमेंट्स, कफ पेरेड, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि श्र० मं० अई-1/37ई/10659/
8-85 पर्याप्त जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमर श्रहमद
सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 8-4-1987

गोहर :

प्रसूत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निदेश सं० श्रद्धा-1-ए-37ई/35/12/2331/86-87—

अतः, मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसेस सं० 510, मेकर चैंबर्स
नं० 5, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और गुण रूप से वर्णित है और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क.ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक
18-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य रो कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कर्त्तव्य नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वारिवर्त भें कठी करने वा उससे बचने भें सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभावतः :—

(1) मेसर्स बाक्सफाईन वैकेंजिंग इंडस्ट्रियल प्राइवेट
लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स ईम्ट बैन्ट रिप्रेजेंटेट्रीव्हज कम्पनी प्राइवेट
लिमिटेड।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी र्याक्तियों पर
सूचना को सापेल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भाव उक्त स्थावर सम्पाद्त में हितबद्ध
किसी भाव व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

साझेकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय, प्रिमायसेस सं० 510, मेकर चैंबर्स सं० 5,
नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि श्र० सं० श्रद्धा-1/37-ई/10639/
8-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

माहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-10, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निवेश मं० आई-1/37ई/35/12294/86-87—अनः
मुझे, निसार अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जा है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मं० कार्यालय प्रिमायरेसेस मं० 415, मेकर चेबर-5,
नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है और (इसमें उपांडठ
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारण नामा
आयकर अधिनियम की धारा 269 का, ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 8-8-
1986

को उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम हो इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि अधिकारीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
गहरा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए क्षय पाया
जाए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिद्धि
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जाया है :—

- (1) मेसर्स आर० के० वायर्स (प्रा०) लिमिटेड ।
(अन्तरक)
(2) मेसर्स एस्सेक्म (प्रा०) लिमिटेड ।
(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करने उक्त सम्पत्ति की वर्तमान की स्थिति
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्ति के सम्बन्ध में कोई भी वाक्योप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक वाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रदेशक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वायाः;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वायाः अधोहस्तान्तरी क
पास लिपिचित में किए जा सकेंगे।

तबोकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) बन्तरण से हुई किसी वाद की वावत उक्त अधि-
नियम के अधीन जुड़ देने से बन्तरुण के दायित्व से
कभी करने वा उससे बचने में सूक्षिका के लिए;
जीर/दा।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य वास्तविक
कार्य, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वायाः प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूक्षिका
से लिए;

कार्यालय प्रिमायरेसेस मं० 415, मेकर चेबर-5, नरीमन
पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० मं० आई-1/ए/37ई/10627/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 ए, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रधन वाहौ. डी. एम. एव.

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को
भारत 269-ग (1) के अधीन संचय

भारत सरकार

कार्यालय भारतीय बायकर शायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1ए, बम्बई

वम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निदेश मं. अई-1/ग-37ई/21/12267/86-87--

अतः मुझे निसार अहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'बायकर अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयात् करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

आंग जिसकी मं. फ्लैट मं. 131 आंग कार पार्किंग स्पेस मं.
54, पर्सोलीम, कफ परेंड, बम्बई-5 में स्थित है (आंग इसमें
उपावड़ अनुसूची में आंग पूर्ण स्प से वर्णित है), आंग जिसका
हारानामा आंग अधिनियम की धारा 269-ग, एवं के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक
14-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधारन
प्राप्तिक के लिए अन्तरिती की गई और मुझ यह प्रवक्तव्यात्
करने का कारण है कि पथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टिकोण प्राप्तिक से, एसे अवधारन प्राप्तिक का
प्रदृश्य प्राप्तिक से अधिक है कोइ बल्टरक (बल्टरक) और
बल्टरिटी (बल्टरिटी) के बीच पूर्वे बल्टरक से लिए तुलना
यात् यह प्रतिपक्ष विवरणिक बहुत तुलना बल्टरक
सिद्धित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(ग) बल्टरक से हूँ यह किसी बाय की वापत, उसमें
अधिनियम के अधीन कर होने के बल्टरक वा
शायकत में कमी करने वा उचित बचत में स्विभा
न 10%, एवं 5%

(घ) ऐसी किसी अन्य आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
अधिनियम, 1957 1957 का 27, के प्रक्रिया
नार्थ अतिरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए या इसने में मार्गिता के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती ज्योतीबाला जै. अमीन।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती हंसा एल. मेहता, श्रीमती राधिका डी. कोठारी और श्री दिलीप टी. कोठारी।
(अन्तरिती)

- (3) अन्तरितियों।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)
- (4) श्री जयन्तीलाल अमीन।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
लिखाती जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालय शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्य —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्त्वावन्धी अधिनियम 45
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि शाद में सूचारा होती हो, के गोपन पर्याप्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ व्यक्ति
किसी अन्य अधिकारी द्वारा उपाय लाभाल्याकारी के पास
सिद्धित में आए था सक्तीं।

लक्षणकरण :—इसमें प्रयुक्त वाक्यों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
है, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट मं. 131 आंग कार पार्किंग स्पेस मं. 54, पर्सोलीम,
कफ परेंड, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. मं. मं. अई-1/37ई/10634-ए/
85-86 आंग जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर शायकत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1ए, बम्बई

दिनांक 8-4-1987
मोहर

प्रस्तुत आर्हा० टो. एन. एस. ----

(1) श्रीमती दुरु डी० बामवानी और श्री धरमदास पी० बामवानी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री फिल गोपाल अग्रवाल ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1ए, वस्वर्दि

वस्वर्दि, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-1/37-ई/38/12375/86-87—प्रा०
मुद्दे, निमार अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' भाला गया है), की धारा
269-व के अधीन यक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि अधिकरण सम्पत्ति, जिसका उचित दाज़ार मूल्य
5,00,000/- रु. रु. अधिक है
आगे जिसकी नं० पैलैट सं० 83, लक्ष्मी नगरी, स्नेह मदन
दमारा, कुलाबा पोट शाफिक के सामने, कुलाबा, वस्वर्दि-5
में स्थित है (आगे इसमें उपायड अनुसूची में आर पूर्ण पूर्ण रूप
से वर्णित है) आगे जिसका उत्तरानामा आयकर अधिनियम की
धारा 269-व के प्रयोग संज्ञा प्राधिकारी के कार्यालय, वस्वर्दि
में नज़िकी है, दिनांक 25-8-1986

को प्रवेशित सम्पत्ति के उचित दाज़ार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुक्त यह नियम

करने का कारण है कि यथापूर्वकता भज्यांति का अंतिकाल बाज़ार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिवात से अधिक है और बंतरक (बंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के निए नग पामा माया
प्रतिफल, निम्नलिखित उपरोक्त से उक्त बास्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
शायित्थ में कभी करने था उससे बहने में स्विधा
दे निए, और/या

(ख) एसी किसी प्रणय या ऐसी भन सा अन्य अधिनियम
जैसे, जिसके आर्थिक आद-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनामे अंतरिती दृश्यारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
स्विधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके प्रवेशित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
प्रयोग हुया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से
15 दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामीन से 30 दिन वाला अवधि, जो भी
अवैध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर प्रयोग्यता
प्रवेशित द्वारा से संक्षिप्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के गजेपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति द्वारा उक्त सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उक्त सम्पत्ति के एस
नियम द्वे किए जा सकेंगे।

स्पष्ट घोरण — इसमें प्रयोग्यता आंदोलन का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 83, 8वीं मंजिल, स्नेह सदन, कुलाबा पोस्ट
ऑफिस के सामने, कुलाबा, वस्वर्दि-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा फॉर्म सं० अई-1/37-ई/10653/85-
86 और जो संग्रह प्राधिकारी, वस्वर्दि द्वारा दिनांक 25-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
मंत्र संग्रह प्राधिकारी,
महायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1ए, वस्वर्दि

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

उक्त वाई. दी. एन. एस.

(1) मेरसं अपोलो कन्स्ट्रक्शन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-व (1) की वधीन सूचना
बारत लक्ष्यक

(2) श्री सुन्दर वी. शिवदासानं ।

(अन्तरक)

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेज-10, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निदेश स० अई-1/37ई/12393/86-87-1/ए 41/
86-87-अन्त, मुझे, निसार अहमद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' हो गया है), की धारा
269-व की वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने जा
कारण है कि स्थान सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. मेर अधिक हैऔर जिसकी स० प्लैट नं० 4, 7वीं मंजिल, मोनिका, फ्लैट रोड,
शोबानी रोड, जंक्शन, कुलाबा, बम्बई-5 मेर स्थित है (और इसमे
उपावद्र अनुसूचीमें और पूर्ण रूप मेर वर्णित है), और जिसका
कारणमा आयकर अधिनियम, 1961 नी धारा 269 क, ख के
वधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में, रजिस्ट्री है तारीख
25-8-1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एरो दृश्यमान प्रतिफल का
पढ़हु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित मेर
शास्त्रिय रूप मेर कार्यत नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मेर कोइ भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मेर प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की वधीन या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख मेर 30 दिन की वधीन, जो भी
वधीन बाद मेर समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मेर किसी व्यक्ति द्वारा(ख) इस सूचना के राजपत्र मेर प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मेर हित-
ब्रह्मदेव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधारस्ताक्षणी के
पाया लिंगित मेर किए जा सकेंगे ।

सम्प्रोक्तरण:—इसमेर प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-व मेर यथा परिभाषा
है, यही अर्थ होगा जो उक्त अन्य, मेर दिया
गया है ।

नमस्त्री

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की धारत, उक्त
अधिनियम के वधीन कर देने के अतिरक के दायित्व
मेर कमी करने या उससे दूरने मेर सूचियों के लिए,
41/ग्या

(ख) एम्बी वक्सी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
का, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दृश्यान प्रबंध नहीं (क्य)

या या या किया जाना चाहिए था, छिपान मेर
मात्रधा के लिए ।

प्लैट नं० 4, 7वीं मंजिल, मोनीका, प्लैट रोड, शोबानी-

रोड जंक्शन, कुलाबा, बम्बई-5 मेर स्थित है ।
अनुसूची जैसा कि क० स० अई-1/37ई/10662/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1ए, बम्बई

उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
मेर, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधोन निम्नलिखित व्यक्तियों वधीत :—

तारीख : 8-4-1987

मोहर

ब्राह्मप बाहरू. दी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

द्वारा अर्जन रेज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल, 1987

निदेश मं० अर्द्ध-1/37ई/29/12274/86-87—ग्रत मुझे,
निसार अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके उपचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि रथाकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी मं० फ्लेट नं० 805, 8वीं मंजिल, जमुना सागर,
गहीद भगत मिह रोड, कुलाबा बम डिपो के पास बम्बई-5 में
स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्णक्षण से वर्णित
है) और जिसका करानामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
260क्षण के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई
रजिस्ट्री है तारीख 8-8-1986

का प्रत्येक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रत्येक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, ऐसे अध्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और अंतरिती
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में
शास्त्रिक रूप से कठित नहीं किया गया है ।—

(क) अंतरण से हृद्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबिल्य में कभी करन या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(छ) ऐसी किसी वास या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ८।
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
कठिनी के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधीनियम की की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10-86 OJ/87

- (1) श्रीमति कटी डी० मेहता और दिनशा के० मेहता ।
(अन्तरिती)
- (2) श्री मनिम टी० शाहपुर बाला और श्रीमति मान
टी० शाहपुर बाला ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
वार्षिकांत्या शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रवेक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रत्येक सालों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 805, 8 वीं मंजिल, जमुना सागर, गहीद भगत-
सिंह रोड कुलाबा बम डिपो के पास बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्द्ध-1/37ई/10318/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1ए बम्बई

तारीख 8-4-1987

मोहर

प्रलूप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

बम्बई दिनांक 8 अप्रैल 1987

निवेश सं. अई-1/37ईई/28/12264/86-87—अत मुझे

निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्रिमायसेस नं. 911, 9वी मंजिल, एम्बेसी-
सेंटर इमारत, नरीमान पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है (और
इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कानून के
अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री
है। तारीख 4-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(1) मेसर्से खेतान होलिडग्स का रपोर्टेशन।

(अन्तरिती)

(2) मेसर्से युनाइटेड इंटरप्राईज़।

(अन्तरक)

(3).अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य
में कर्मी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के
लिए;

प्रिमायसेस नं. 911, 9वी मंजिल, एम्बेसी सेंटर इमारत,
नरीमान पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-1-4/37ईई/ 10614/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-86
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1ए बम्बई

तारीख 8-4-1987

मोहर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-1/37ई/30/12288/86-87—अत मुझे,
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थापत्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लेट नं० 4, 2री मंजिल, अतूर अपार्टमेंट, कुलाबा
बम्बई-5 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
स्प से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्रम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 8-8-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अब यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंक्ति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अनन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के धार्यत्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) कुमारी लेहमी नोशेरवान इराणी और सलामत
नोशेरवान इराणी ।

(अन्तरक)

(2) नूरदीन अब्बासभाई कांटावाला और श्रीमति अमीना
अब्बासभाई कांटावाला ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति जिसके, प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थापत्र सम्पत्ति में हिंदूबृंध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लेट नं० 4, 2री मंजिल अतूर अपार्टमेंट, कुलाबा, बम्बई-5
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ई/10623/ 85-86
और जो भक्रम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-86 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद
सक्रम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

तारीख : 8-4-1987

माहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत थाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल, 1987

निवेश सं० अई-1/37ई/32/12303/86-87— आन मुझे,
निसार अहमद,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विवरास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० 50 प्रतिशत अधिभक्त इन्टरेस्ट जो फ्लैट
न० 35 मे, जो 6ठी मंजिल, सी० सी० शाई० चैम्बर्स, दिनशा
बाच्छा रोड, चर्चगेट, बम्बई-20 में स्थित है (और इसमें उपावड़
अनुसूची से और पूर्णरूप वर्णित है), और जिसका का० नामा
आयकर प्रधिनियम, 1961 भी धारा 269 कथ के अधीन,
सभी प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में जिस्ती है। तारीख
8-8-1986

कर्ते पूर्वांवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विवरास
करने का कारण है कि दृश्यपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल गे एसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृश्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ दाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसी किसी जाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के कार्यालय
में कर्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रकार अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

मतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सराण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विष्णु कुमार पोदार।

(अन्तरक)

(2) श्री कुमार पोदार।

(अन्तरिती)

(3) श्रीमति रमणि देवी पोदार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
मम्पति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्त-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साझेकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याग 20-के में परिभेषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याग में दिया गया है।

अमृत्सौ

50 प्रतिशत अधिभक्त इन्टरेस्ट जो फ्लैट न० 35 मे, जो
6ठी मंजिल, सी० सी० शाई० चैम्बर्स, दिनशा बाच्छा रोड, चर्च-
गेट, बम्बई 20 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० स० अई-1-ए/37ई/ 10628/
85-86 और जो सभी प्राधिकारी, बम्बई डार्ग दिनांक 8-8-86
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

तारीख . 8-4-1987
मोहर

प्रक्ष बाई, टी. एन. पस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल, 1987

निदेश सं० ग्रई-1/37ई/33/12326/95-86—अतः मुझे,
निमार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिमर्की मं० दुकान नं० 189, 1ली मंजिल, अशोका शार्पिंग
सेंटर एल० टी० मार्ग, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावढ
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका कराना आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 काव्र के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख
8-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य,
उसके इक्यमान प्रतिफल से, एसे इक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निर्मालिक्षित उद्देश्य से मूक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की धन या अतः अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निर्मालिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) पुरी कत्स्टक्षण (बम्बई) प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) मिष्को इन्वेस्टमेट लि०, जे० वी० पटेल (हि०
अ० कु०), शरन इन्वेस्टमेट, संजय ए० पटेल।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 189, 1 ली मंजिल, अशोका शार्पिंग सेंटर,
एल० टी० मार्ग, बम्बई-1 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० ग्रई-1/37ई/10636/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

तारीख 8-4-1987
मोहर

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स मिड-डे पब्लिकेशन प्रा० लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा)

(2) मेसर्स नेट वर्क फाईनेंस एण्ड लिसिंग कम्पनी
प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

है

अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

बम्बई दिनांक 8 अप्रैल, 1987

निदेश सं० आई-1/37ई/37/12346/85-86—अत मुझे,
निसार अहमद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पहचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० कार्यालय नं० 81, मेकर चैम्बर्स-6, 8वीं मंजिल,
नरीमान पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनु-
सूची में और पूर्णसूची में वर्णित है), और जिसका कागजानामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कथ के अधीन,
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख
18-8-1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंडह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांहौ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/याकार्यालय नं० 81, मेकर चैम्बर्स 6, 8वीं मंजिल, नरीमान
पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ई/ 10645/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1ए, बम्बईअत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग अनुसूचण
में, भूल्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाख्य (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—तारीख 8-4-1987
मोहर

प्रकृष्ट आई.डी.एन.एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 987

मं० आई-1-ए/37ई/44/12423/88-87:— अतः मुझे,

निसार अहमद,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 67, 12 वीं मंजिल, सुनीता इमारत,
कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है (और इसमें उपाबढ़ अनुसूची में
और पूर्णरूप में वर्णित है), और जिसका करानामा आपकर
अधिनियम, की धारा 269 क्रम के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 25-8-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पूर्व ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरिरीतायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तीक रूप से कीभित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कर्मी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैमन्द ओमियन केरियर्स प्रा० लि० ।
[(अन्तरक)]
(2) श्री प्रेम के० अडवानी और श्री राजकुमार दरियानानी ।
(अन्तरिती)
(3) प्रन्तरितियाँ

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा उधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त
अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 67, 12 वीं मंजिल, सुनीता इमारत, कफ परेड,
बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-1/37ई/10671/ 85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-86 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

तारीख : 8-4-1987

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. दी. धम. एवं लिमिटेड

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राज्यक बाबकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1 ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-1-ए/37ई/42/12406/86-87-अतः मुझे,
निमार अहमद,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 164 है मित्रल कोट्ट,
ए-विंग, 16वीं मंजिल, 224, नरीमन पाइंट, बम्बई-21
में स्थित है (और इसने उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 25-8-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान इतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
व्याप्ति प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)
अंतररक्तियों के बीच एस अन्तरण के लिए तथा गया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक अ
दायित्व में कभी करने पा उससे बचने में सुविधा
नहीं प्राप्त है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय बाबकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम, दो धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, सौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) दि दांडेली फरेरा श्रीनाईज प्राइवेट लिमिटेड।
(अन्तरक)
- (2) बस्टर्न मिनी स्टील लिमिटेड।
(अन्तरिती)
- (3) अन्तरकों।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वारा किया द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
प्रिवित में किया जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 164, मित्रल कोट, ए-विंग, 16वीं मंजिल,
224, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1-ए/37-ई/10666/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1-ए, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

प्रस्तुति बाहर टौ.एन.एस.-----

(1) वि दंडेली फरेरा अनासहज प्राइवेट लिमिटेड।

(अंतरक)

(2) बांबे बेयरग्राउमिंग कंपनी प्राइवेट लिं।

(अन्तरिती)

बांधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल, 1987

निदेश सं. ० अई-१-ए/३७-ईई/४३/१२४०७/८६-८७—ग्रन्त: युप्रे,
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य कार्यालय नं. 165 और 166, मिस्ल कोटी, ए-विंग, 16वीं मंजिल, 224, नरीमन पाइंट,
बम्बई-21 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारानामा
आयकर अधिनियम की भारा 269 का के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक
25-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
शामि करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भने या अन्तरीक्ष आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती इतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रन्त: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, मूले उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की दृश्यारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11-86 GI/87

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जालें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की बालाघी या उससम्बन्धी व्यक्तियों पर उक्ता
की तारीख से 30 दिन की बालाघी या भी बालीघ
बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति दृश्यारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि फिरी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित जै
किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, और उक्त अधिक-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त है,
जहाँ अर्थ होता जो उस अध्याय में विद्य या

अनुसूची

कार्यालय नं. 165 और 166, मिस्ल कोटी, ए-विंग,
16वीं मंजिल, 224, नरीमन पाइंट, बम्बई 21, में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र.मं. ० अई-१-ए/३७-ईई-१०६६७/
८५-८६ और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1-ए, बम्बई

दिनांक: 8-4-1987

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) एक्सेल अपारेल्स एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) हंडस्ट्रियल आकमी जन कंपनी (प्राइवेट) लि.०।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में संपत्ति है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल, 1987

निदेश सं० आई-1-ए/37ई/45/12431/86-87—अतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 65, 6ठी मंजिल, जाली मेकर चैंबर्स नं० 2, 225, नरीमन पाइट, बम्बई-21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 25-8-86

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कार्यालय नं० 65, 6ठी मंजिल, जाली मेकर चैंबर्स नं० 2, 225, नरीमन पाइट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि इस सं० आई-1-ए/37ई/10674/8-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1-ए, बम्बई

दिनांक: 8-4-1987

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त वस्तु के पूर्वोक्त सम्बन्ध

आवायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन दृष्टना

वायक वायक

वायक, रायकर आयकर आद्यम (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1-ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल, 1987

निदेश सं ० अई-1-ए/37ई/46/12432/86-87—अतः
मुझे, निसार अहमद,

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये
से अधिक है**

और जिसकी सं ० प्लैट नं ० 26, 4थी मंजिल, हरी निवास,
“सी” रोड, चर्चगेट, बम्बई-20 में स्थित है और इससे उपावच्छ
अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम की धारा 269क,ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक
25-8-86

को पूर्वोक्त सम्बत के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का पश्च
प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए इस वाया व्यव
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण से हृदृ किसी वाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के वायित्य
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी वन या वन्य वायित्यों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं। किया गया
वा या किया जाया चाहिए था, छिपाने में सुविधा
से लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती शीला ए० राशी

(अन्तरक)

(2) श्री अनील जगेश्या और श्रीमती जे० एल०
दुधाने।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बत के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्बत के अर्जन के उम्मत में लोहे भी आयोग है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि शाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात
सिद्धित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
रता है।

मध्यस्थी

प्लैट नं ० 26, 4थी मंजिल, हरी निवास, “सी” रोड,
चर्चगेट, बम्बई-20 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं ० अई-1-ए/37ई/10675/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1-ए, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

प्रधान बाई, टी. एम. एस. -----

(1) श्री रमेश एस० नाडकर्णी श्री जयदीप आर०
नाडकर्णी।

(अन्तरक)

जाली अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मिना विजय खेतान और (2) श्रीमती
शांति जी० खेतान

(अन्तरिती)

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1-ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल, 1987

निवेश स० अर्ड-1-ए/37ई-47/12434/86-87—अतः

मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विवाह फरमे का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-
उपरे से अधिक है

और जिसकी स० कार्यालय प्रिमेयमिस न० 508, है तथा जो
5वीं मंजिल, गुडेजा चैम्बर्स, नागनिदाम मास्टर रोड,
बम्बई-23 में स्थित है (और इसमें उपाकद्व अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्या-
लय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, दिनांक 25-8-1986

को 'पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बोर्डर मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह संकेत
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरभूमि हौदा निलौटी बाय की वादत उच्च अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वास्तविक वैकल्पिक वायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अन्तर्भूमि अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी 'किलौटी' बाय या 'भन या बंय बोस्तियों
को, जिसमें भास्तीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अन्तर्भूमि अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः बम्बई, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना बारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अवज्ञ के लिए
कार्रवाहीयों करता है।

सूचना सम्पत्ति के उचित संबंध में कोई भी वाक्योप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मयन्ती व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाल में समीप होती है, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति पुरारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवधु
किंती वंच व्यक्ति द्वारा अधिस्तानीरी के पात्र
सिद्धि में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकारण :—इसमें प्रयुक्त साधों और 'पदों का, जो उच्च
अधिनियम के वाय 20-क में परिभाषित
है, अहीं अर्थ होगा, जो उस वाय में दिया
रखा है।

मनुसूची

कार्यालय प्रिमेयमिस न० 508, 5वीं मंजिल, गुडेजा चैम्बर्स,
नागनिदाम मास्टर रोड, बम्बई-23 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० अर्ड-1-ए/37ई-47/10676/
85-86 ओप जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
25-8-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1-ए, बम्बई

क्रमांक : 8-5-1987

मोहर :

प्रकाश बाहु.टी.एन.एस.
बायकड़ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना
प्रारंभ का राखना
आर्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1-ए, बम्बई
बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल, 1987

निदेश स.० अर्ड-1-ए/37ई/48/12489/86-87—प्रत. मुझे
निसार अहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परिवार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सकार प्राधिकारी को यह विवास करने का
अनुरोध है कि स्थावर संघर्ष, जिसका उत्पत्ति बाजार मुख्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल फ्लट नं. 12, लोटस कोर्ट, जे.० टाटा
रोड, बम्बई-20 में स्थित, ('और इसमें उपाबद्ध अनुमूली
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारना मा
आयकर अधिनियम की धारा 269-ग,वा के अधीन सकार
प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-
8-1986

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्पत्ति बाजार मुख्य से कम की अवधान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि वसापूर्वोक्त संघर्ष का उत्पत्ति बाजार
मुख्य, उसके अवधान प्रतिफल से, ऐसे अवधान प्रतिफल के
पूर्व-प्रतिष्ठित से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कर., निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित वा
प्रायिक रूप से कठित नहीं किया जाया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी उन था वन्य बासिन्दों
के, जिन्हे भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
बाब-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अनुच्छेद अन्तरिती-बुजारा फ्लट तहीं किया जाना
या या किया जाना चाहीय था, जिसमें में सुविधा
के लिए;

अब: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, वा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भरत सिंह काठीवाडा।

(अन्तरक)

(2) डा० सुशील सी० मुख्यी और डॉ (श्रीमती)
कोश, एस० मुख्यी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

के यह सूचना आरी करके दूसोंका अन्तरित के बर्दन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि वा सर्वेक्षी व्यक्तियों द्वा
रा सूचना की तारीख ते 30 दिन की अवधि, वा यही
अवधि वाले समय छोटी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राज्यम वे प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुत
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पाव
तिक्षित में किए जा रहे हैं।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमति

फ्लट नं. 12, लोटस कोर्ट, जे.० टाटा रोड, बम्बई-20
में स्थित है।

ज अनुमूली जसा कि० क्र स.० अर्ड-1-ए/37ई/10690/
85-86 और जो सकार प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर सम्बन्ध (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1-ए, बम्बई

दिनांक: 8-4-1987

मोहर:

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1-ए, बम्बई
बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987
निवेश सं० अई-1-ए/37ई/49/12464/86-87--अतः

मझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1.00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 707, तथा ७वीं मंजिल,
दालामल हाउस कमर्शियल काम्पलैक्स, प्रिमोसिस को-
आप० सोसा० लि०, नरीमन पाइट, बम्बई-21 में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा
269-क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-8-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्षेत्र) और अन्तरिती
(अंतरितिय) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतुरण लिंग्हण में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अतुरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे इच्छने में सुविधा
के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा इकट्ठ नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दीपक एल० निचानी और दीपक लाल
लछमनदास निचानी (हि० अ० कु०)

(2) मैसर्स पोहार ब्रवर्स इन्वेस्टमेंट प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीकृत करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पास
लिन्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 707, ७वीं मंजिल, दालामल हाउस
कमर्शियल काम्पलैक्स प्रिमोसिस को-आप० सोसायटी लि०.
नरीमन पाइट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1-ए/37ई/10685/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1-ए, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 1 अप्रैल 1987

निर्देश सं० टीआर०-२९५/८६-८७/एसएल०-१२९३/आई००
ए० सी०/एक्यू आर०-१/कल०—यतः मुझे, आई० के० गायेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है
और जिनकी सं० 71 है तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में
स्थिति है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के० कार्यालय आर०
ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1980
का 16) के अधीन, दिनांक 29-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्व्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल से ऐसे द्व्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदादेश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. चित्रकूट प्रापर्टीज लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. टेक्नो इलेक्ट्रिक एण्ड इंजीनियरिंग कं० लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिणी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

71 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित मकान का तीसरा
तला में 2010 वर्ग फिट आयतन का स्पेस नं० 3एफ०
जो रजिस्ट्रार आफ एसुरेंस कलकत्ता के पास डीड नं०
आई-12160 के अनुसार 29-9-86 में रजिस्टर हुआ।

आई० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

दिनांक : 10-4-1987

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 21st April, 1987

No. F. 6/87-SCA(I).—Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed the following Officers and members of the staff of this Registry to the posts and dates mentioned against each, until further orders.—

S. No.	Name & Designation	Post to which appointed and at of appointment
1.	Shri H. S. Munjral, Offg. Addl. Registrar	Appointed to officiate as Registrar with effect from the forenoon of April 2, 1987.
2.	Shri Y. Lal, Offg. Dy. Registrar	Appointed to officiate as Joint Registrar with effect from the afternoon of January 31, 1987.
3.	Shri J. K. Rawal, Assistant Registrar	Appointed to officiate as Deputy Registrar with effect from the afternoon of January 31, 1987.
4.	Shri Chiman Lal Chawla, Court Master	Appointed to officiate as Assistant Registrar with effect from the forenoon of January 16, 1987.
5.	Shri S. Q. Karim, Section Officer	Appointed to officiate as Assistant Registrar with effect from the forenoon of January 16, 1987.
6.	Shri J. S. Bahri, P. S. to Hon'ble Judge	Appointed to officiate as Assistant Registrar with effect from the afternoon of January 31, 1987.
7.	Shri Prem Sagar, Section Officer	Appointed to officiate as Assistant Registrar with effect from the forenoon of March 6, 1987.
8.	Shri N. P. Vittal, Offg. P. S. to Hon'ble Judge	Appointed to officiate as Assistant Editor with effect from the forenoon of March 25, 1987.
9.	Mrs. Nisha Bhardwaj, Stenographer	Appointed to officiate as Court Master with effect from the forenoon of January 16, 1987.
10.	Shri D. R. Nangpal, Assistant	Appointed to officiate as Section Officer with effect from the afternoon of January 31, 1987.
11.	Shri Jamil Ahmed, Assistant	Appointed to officiate as Section Officer with effect from the afternoon of January 31, 1987.
12.	Shri Mangoo Ram Sharma, Assistant	Appointed to officiate as Section Officer with effect from the forenoon of February 4, 1987
13.	Shri Nandan Singh, Assistant	Appointed to officiate as Section Officer with effect from the forenoon of March 6, 1987.

The 27th April 1987

No. F. 6/87-SCA(I).—S/Shri K. Chandramouli, Offg. Joint Registrar, Har Sahai Saxena, Offg. Assistant Registrar and Jagjivan Parkash, Offg. Section Officer have retired from the service of this Registry with effect from the afternoon of January 31, 1987 on their attaining the age of superannuation.

The 2nd May 1987

No. F. 6/87-SCA(I).—Shri A. S. V. Raghavan, Offg. Addl. Registrar has retired from the service of this Registry with effect from the afternoon of April 30, 1987.

A. N. OBERAI
Registrar (Admn.)

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 1st May 1987

No. 2/24/87-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Surendra Paul, a permanent Section Officer and officiating PS to CVC as Under Secretary in the

Commission on ad-hoc basis in the scale of Pay of Rs. 3000-100-3500-125-4500 with effect from the forenoon of 1st May, 1987 for a period of three months or until further orders whichever is earlier.

BRAHM DUTT
Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110 003, the 1st May 1987

No. 18/4/87-Admn.II.—Shri Sunil Kumar Mitra, Assistant, Central Detective Training School, Calcutta is appointed as Section Officer on promotion in the Bureau of Police Research & Development, New Delhi on ad-hoc basis for a period of one year with effect from the forenoon of 20th April, 1987 in the pay scale of Rs. 2.000-60-2300-EB-75-3200-100-3500.

R. S. SAHAYE
Dy. Director

DIRECTORATE OF COORDINATION

(POLICE WIRELESS)

New Delhi-3, the 1st May 1987

N. A. 13018/1/86-Ad.II.—The following officiating Extra Assistant Directors and Extra Assistant Directors (Cipher) of the Directorate of Coordination (Police Wireless) are appointed in the substantive capacity in the posts of Extra Assistant

Director and Extra Assistant Director (Cipher) as shown against them in the Directorate of Coordination (Police Wireless) with effect from the forenoon of 1st May, 1987.

Sl. No.	Name	Post to which appointed substantively
1.	Shri J. S. Thacker	Extra Assistant Director
2.	Shri Raj Paul Sirpaul	Extra Assistant Director
3.	Shri R. K. Kotnis	Extra Assistant Director (Cipher)
4.	Shri E. A. Michigan	Extra Assistant Director (Cipher)

B. K. DUBE,

Dir. Police Telecommunications

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 5th May 1987

No. 3/6/87-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Sharma, Deputy Superintendent of Police/CBI to officiate as Supdt. of Police in the CBI/SPE with effect from the forenoon of 27th April, 1987 and until further orders.

D. P. BHALLA
Administrative Officer (E)
CBI

SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad-500 252, the 1st May 1987

No. 15033/82-Estt.—On completion of his tenure, Shri K. V. S. Bhima Rao, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service, allotted to the Ministry of Health and Family Welfare relinquished charge of the post of Administrative Officer in the S. V. P. National Police Academy, Hyderabad, with effect from the forenoon of 1st May, 1987.

ORDER

No. 11011/2/87-Estt.—Shri Lekh Raj Nagpal, a permanent Superintendent (Ministerial) is promoted to the post of Administrative Officer in the scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100 3500 (revised) plus other allowances as admissible under the rules with effect from the 1st of May, 1987 (F.N.) until further orders.

A. A. ALI
Director

DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE
New Delhi-110 003, the 30th April 1987

No. E-28017/3/86-Pers.II-579.—Consequent on his voluntary retirement from Government service, Shri B. P. Dubey, relinquished charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit NFL, Vijapur, Guna (M.P.) in the afternoon of 3rd January, 1987.

The 4th May 1987

No. E-32015(2)/5/86-Pers.I-52.—President is pleased to appoint Shri H. V. Chaturvedi on promotion as Commandant, CISF Unit, BSL, Bokaro with effect from the forenoon of 22nd April, 1987 on regular basis.

D. M. MISRA
Director General/CISF

MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS
BANK NOTE PRESS

Dewas, the 29th April 1987

F. No. BNP/C/5/87.—Shri Mohd. Shariff, Store Keeper is appointed to officiate as Stores Officer on regular basis in 12—86 GI/87

the revised scale of pay of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 (Group 'B' Gazetted) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) with effect from 11-3-87 (F.N.) until further orders.

M. V. CHAR
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

CENTRAL REVENUES-I

New Delhi, the 4th May 1987

No. Admn.I/O.O. No. 27.—The Director of Audit, Central Revenues-I New Delhi hereby appoints Sh. Surinder Pal Singh Walia a permanent S.O. (now Asstt. Audit Officer) of this office to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 2375-3500 (Revised Scale) with effect from the afternoon of 29th April, 1987 until further orders.

Sd/- ILLEGIBLE
Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL

Calcutta-700 001, the 1st May 1987

No. Admn.I/C/Gaz/288-289.—The Director of Audit, Central, Calcutta has been pleased to appoint the following Section Officers to officiate as Assistant Audit Officers (Gr. B) in the scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 from the date noted against each in the office of the Director of Audit, Central, Calcutta until further orders.

Date of assumption of charge

S/Shri

1. Nikhil Kumar Ghosh—31-3-87 (F.N.).
2. A. Syed Meeran—2-4-87 (F.N.).

A. C. SINGH
Dy. Director of Audit (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT-I)
ANDHRA PRADESH

The 7th May 1987

No. Admn.I/8-132/87-88/DP No. 25.—Sri R. Sundara Rajan, Audit Officer, Office of A.G. (Audit-I), A.P., Hyderabad, retired from service on the afternoon of 30-4-1987,

Sd/- ILLEGIBLE
Dy. Accountant General Adm.

Hyderabad-500-463, the 5th May 1987

No. Admn.I/A&E/8-88/87-88/34.—The Accountant General (A&E) is pleased to promote the undermentioned Section Officers to officiate as Accounts Officers in the scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 with effect from the dates shown against their names :—

Name and Date of assumption of charge

1. Sri G. Rama Murthy-II—29-04-1987 F.N.
2. Sri J. Chandraiah—29-04-1987 F.N.

The term is ordered in virtue of the claims of the persons named, subject to the result of the proceedings pending in the Andhra Pradesh High Court against Central Arbitrative Tribunal.

Sd/- II LEGIBLE
Deputy Accountant General (Admn)

DEFENCE ACCOUNT DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi 110 066 the 6th May 1987

No AN/I/1688/5/I—Shri S. Swaminathan IDAS who has attained the age of 58 years on 10-4-1987 (the date of birth being 11-4-1929), has been struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from the afternoon of 29-4-1987 and transferred to the Pension Establishment with effect from the forenoon of 1-5-1987.

No AN/I/1703/5/III—Shri S. Swami Singh IDAS who has attained the age of 58 years on 16-4-87 (the date of birth being 17-4-1926), has been struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from the afternoon

of 30-4-1987 and transferred to the Pension Establishment with effect from the forenoon of 1-5-1987.

D K CHET INGH
and I Control General of Defence Account (Admn)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 27th April 1987

IMPORTS AND EXPORTS TRADE COMMISSION
(ESTABLISHMENT)

No 6/1463/84 Admn (G) /2206—On attaining the age of superannuation Smt R C Gupte, Controller of Imports and Exports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1987.

SHANKAR CHAND
Dy. Chief Controller of Imports and Export,
For Chief Controller of Imports and Exports

DEPARTMENT OF SUPPLY

NATIONAL TEST HOUSE

Calcutta, the 30th April 1987

No G 65 30—On the recommendation of Union Public Service Commission, New Delhi, the Director General National Test House, Calcutta is pleased to appoint the following persons as Scientific Officer (Chemical) in the National Test House, Ghaziabad and Bombay with effect from the date as mentioned against each on temporary basis until further orders.

Sl No	Name	Appointed to the post of	Date of Appointment	In the office of
1	Shri Yogesh Chander	Scientific Officer (Chemical)	3-12-86 (F/N)	National Ghaziabad Test House,
2	Shri Radhey Shyam Kiran	Do	25-2-87 (F/N)	National Bombay Test House,

S. ROY,
Dy. Director (Admn),
For Dir. General

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi-110 001 the 30th April 1987

No A-31014/1/85/A-6—The following amendment is hereby incorporated in the Notification No A-31014/1/85/A-6 dated 18-12-1986.

The name of officer at Sl No. 9 may be read as Shri V. S. and instead of Shri V. S. read as

P P SHAIKH
Dy. Director (Admn)
for Director General of Supplies and Disposals

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF

PATENTS AND TRADE MARKS

Patent Office, on 24th April 1987

No CG/F/14/7(13) Patents/112—The President is pleased to appoint Shri P. K. Roychoudhury as Deputy Controller of Patents and Designs on regular basis in the Patent Office Branch, Madras with effect from 25th April 1986.

(F.N.) He will be on probation for a period of two years with effect from said date.

R A ACHARYA
Controller General, Patents,
Designs and Trade Marks

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 4th May 1987

No 2987B/A-32014(2 OS)/81 19B—Shri Sunil Kumar D Senior Tech Assistant (Survey) Geological Survey of India is appointed on Promotion to Officer Surveyor in the same Department by the Director General, GSI on pay according to rules in the scale of pay of Rs 2000-60-2300-R 375 3200 100 3500/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 23-2-1987 until further orders.

No 2994B/A-19011(2 OS) 86 19 B—The President is pleased to appoint Shri Deepak Bhatnagar to the post of Geologist (Junior) in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs 1200-R 2800 EP 100 4000/- in an officiating capacity with effect from 2-5-1987 (F/N) until further orders.

A KUSHARI
Director (Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 29th April 1987

No. A. 19011/(59)/86/Estt. Vol. II.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri K. Satyanarayana, Suptdg. Officer (Ore Dressing), Indian Bureau of Mines has been promo'cd to officiate in the post of Chief Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 9th April, 1987.

P. P. WADHI
Administrative Officer
for Controller General

Nagpur, the 29th April 1987

No. A. 19011 (401) 87-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri R. C. Malaviya, Asstt. Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Junior Mining Geologist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16th April, 87.

G. C. SHARMA
Asstt. Administrative Officer
for Controller General

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun-248001, the 4th May 1987

CORRIGENDUM

No. C-2449/707.—In the Notification No. C-91/707 dated 27-11-86 published on page 27 of the Gazette of India No. 52 dated 27-12-86 (Part III-Section I), *For the Name "Major General S. C. Agarwal, Surveyor General of India" (Appointing Authority) read "Major General G. C. Agarwal, Surveyor General of India" (Appointing Authority).*

G. C. AGARWAL
Major General
Surveyor General of India

MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 1st May 1987

No. E (I) 06204.—Director General of Meteorology regrets to notify the death on 17-4-1987 of Shri N. S. Kulkarni, Meteorologist Grade I, Meteorological Office, Bombay.

ARJUN DEV
Meteorologist (Gazetted Establishment)
for Director General of Meteorology

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi-11, the 4th May 1987

No. 11/4/87-M.—In exercise of the powers conferred under rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959, I. M. C. Joshi, Joint Director General, hereby direct that no fee shall be charged for entry to monuments at Rajagiri Hill, Gingee, South Arcot District, Tamil Nadu for a period of 10 days w.e.f. 4-5-87 to 13-5-87 (both days inclusive) on account of annual festival of Devi Kamalakanni Amman.

M. C. JOSHI
Jt. Director General

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 28th April 1987

No. F. 12-3/85-Estt.—Consequent on proceedings on leave on medical ground of Shri A. K. Sharma, Administrative Officer, Shri K. C. Rajpal senior most Superintendent is

appointed to officiate as Administrative Officer (Group 'B' Gazetted) on purely ad-hoc basis w.e.f. the 28th April 1987 (F. N.) and until further orders. The ad-hoc appointment will not confer any right or claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher grade.

He will draw Rs. 2375/- P.M. in the minimum revised scale of pay of Rs. 2375-75 3200-EB-100-3500.

DR. R. K. PERTI
Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 1st May 1987

No. 4 (27) /77-SI (B).—Shri S. D. Shastri, Programme Executive, All India Radio, Udaipur is confirmed w.e.f. 23-8-83 in the grade of Programme Executive.

I. I. BHATIA
By Director of Administration (WL)
for Director General

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
CONSTRUCTION & SERVICES GROUP

Bombay-400 094, the 22nd April 1987

No. C&SG 'A/2 (16) /2405.—The Director, C&S Group, DAE hereby appoints Shri S. R. Reddy, S. G. C. in C&S Group as Asstt. Personnel Officer in a temporary capacity on purely ad-hoc basis w.e.f. the forenoon of 4-3-1987 vice Shri P. C. Mathev, Asstt. Personnel Officer posted on promotion to BARC as Administrative Officer III.

No. C&SG 'A/2 (16) /2407.—The Director C&S DAE hereby appoints Shri A. V. Paplose, Assistant Accountant in C&S Group as Asstt. Accounts Officer in a temporary capacity on purely ad-hoc basis w.e.f. the forenoon of 20-4-87 to 28-5-87 vice Shri V. G. T. Pillai Asstt. Accounts Officer granted Earned Leave.

M. MUKUNDAN
Administrative Officer II

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 4th May 1987

No. AMD 51/47/85 Pen.—On attaining the age of superannuation Shri I. S. Makha, Assistant Accounts Officer in the Northern Region, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy relinquished charge of his post on the afternoon of March 31, 1987.

A. W. KHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE
INSAT-1 MASTER CONTROL FACILITY

Hassan-573 201, the 21st April 1987

No. MCF . ADM : EST—GN . 035.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri SS Ganguly as Scientist Engineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility, Hassan "with effect from the 1st April 1987 and until further orders.

MP KUMARAN
Administrative Officer
for Project Director

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 16th April 1987

No. A.26014/4/85-FA.—In partial modification of this office Notification No. A.32013/3/76-FA dated 6-6-77 the

President is pleased to grant proforma promotion to Shri R. S. Bhagwat, Assistant Aerodrome Officer to the grade of Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department under the provision of next below rule under FR-30 with effect from 19-10-1976.

M. BHATTACHARJEE
Dy. Director of Administration

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 24th April 1987

No. A-19012/1181/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri B. D. Saha, Junior Engineer to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 31-3-1987.

No. A-19012/1198/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri V. V. Rao, Junior Engineer to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the afternoon of 16-2-1987.

The 27th April 1987

No. A-19012/1203/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri K. K. Santhappan, Junior Engineer to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 6-10-1986.

M. R. SINGLE
Under Secy.
Central Water Commission

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS

New Delhi, the 30th April 1987

No. 1/445/69-EC-IX.—Shri Hari Krishan Walia, Architect to this Department retires from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30th April 1987.

S. N. DAS
Dy. Director of Administration

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES NOTICE

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. D. V. Raju Springs Private Limited (Pursuant to
Section 445 (2) of the Companies Act—1956)*

Hyderabad, the 1st May 1987

No. 2324/Liq./87.—By an order dated 24-2-1987 in the C.P. No. 18/85 of the High Court of Judicature, Andhra Pradesh, Hyderabad, it has been ordered to be wound up M/s. D. V. Raju Springs Private Limited.

R. K. BHATTACHARJEE
Registrar of Companies,
Andhra Pradesh

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Rajat Investments Private Ltd.*

Bangalore-9, the 6th May 1987

No. 3549/560/87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Rajat Investments Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Lax-vi Video Productions Private Ltd.*

Bangalore-9, the 6th May 1987

No. 7090/560/87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Lax-vi Video Productions Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Kadur Commercial Enterprises Private Ltd.*

Bangalore-9, the 6th May 1987

No. 3742/560/87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kadur Commercial Enterprises Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Interprint Systems Private Ltd.*

Bangalore-9, the 6th May 1987

No. 5111/560/87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Interprint Systems Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Nalanda Non-Ferrous Castings Private Ltd.*

Bangalore-9, the 6th May 1987

No. 2900/560/87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Nalanda Non-Ferrous Castings Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

SD/- ILLEGIBLE
Registrar of Companies,
Karnataka, Bangalore

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 7th May 1987

No. F. 48-Ad(AI), 1987.—Shri S. K. Biswas, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Gauhati Bench, Gauhati on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from 24-2-1987 vide this office notification No. F-48-Ad(AI), 1987, dated 18th February, 1987 is permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Gauhati Bench, Gauhati for a further period of 3 months with effect from 24th May, 1987 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. K. Biswas, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

CH. G. KRISHNAMURTHY
President

FORMS ITNS

(1) Chitrakoot Properties Ltd.

(Transferor)

(2) Techno Electric & Eng. Co. Ltd.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**
GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA**

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. TR-295|86-87|SI-1293 I.A.C.|Acq. R-I|Cal.—

Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing

No. 71 situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R. A., Calcutta on 29-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

THE SCHEDULE

All that Space No. 3F on 3rd floor measuring 2010 Sft with two car parking spaces in basement at 71, Park Street, Calcutta Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-12160 dated 29-9-86.

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Manindra Chandra Paul

(Transferor)

(2) M/s. Dabriwala Properties (Private) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. TR-276 86-87/S1-1294 I.A.C./Acq. R-1/Cal.—
 Whereas, I, I. K. GAYEN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 79 situated at Lenin Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R. A., Calcutta on 30-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that undivided 10% share in the two storied brick built building and land measuring 1 bigha 3 cottahs more or less at 79 Lenin Sarani, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-12180 dated 30-9-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. K. GAYEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I,
 Calcutta
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
 Calcutta-700 016

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1987
 Seal :

FORM ITNS—

- (1) Prafulla Kumar Bose for self and as partner of
M[s. P. K. Bose & Co. (Transferor)
(2) M[s. Dabriwala Properties (Private) Ltd.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. TR-279/86-87/S1-1295 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—
Whereas, I, I. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000/- and bearing
No. 79 situated at Lenin Sarani, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under Registration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at
R. A., Calcutta on 30-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

All that undivided 50% share in the two storied brick
built building and land measuring 1 bigha 3 cottahs more
or less at 79 Lenin Sarani, Calcutta. Registered before the
Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-12178
dated 30-9-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Muzaffar Hossain for self and as partner of
M/s. P. K. Bose & Co.

(Transferor)

(2) M/s. Dabriwala Properties (Private) Ltd.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. TR-280/86-87/S1-1296 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—
 Whereas, I, I. K. GAYEN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing

No. 79 situated at Lenin Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

R. A., Calcutta on 30-9-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

All that undivided 10% share in the two storied brick built building and land measuring 1 bigha 3 cottahs at 79, Lenin Sarani, Calcutta, Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-12179 dated 30-9-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. K. GAYEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I,
 Calcutta
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
 Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1987
 Seal :

FORM ITNS

(1) Azimganj Estates (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jhunjhunwala Janakalyan Trust

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. TR-274/87-88/SI-1297 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—
 Whereas, I, I. K. GAYEN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 3,00,000/- and bearing No. 7 situated at Camac Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R. A., Calcutta on 30-9-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that the office block No. 2 on 2nd floor at 7, Camac Street, Calcutta. Area 149.48 Sq. mtrs. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-12270 dated 30-9-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. K. GAYEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I,
 Calcutta
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
 Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 J3-87 GI/87

Date : 10-4-1987
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. TR-275[87-88]SI-1298 I.A.C./Acq. R-I[Cal.—

Whereas, I, I. K. GAYFN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 5,00,000/- and bearing

No. 7 situated at Camac Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R. A., Calcutta on 30-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Azimganj Estates (P) Ltd. (Transferor)
(2) Jhunjhunwala Janakalyan Trust ('Transferee')

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

All that the office block No. 4 on 2nd floor at 7, Camac Street, Calcutta, Area 137.45 Sq. mtr. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-12271 dated 30-9-86.

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. K. GAYFN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 10-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Park Chambers Limited.

(Transferor)

(2) Modl Rubber Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. TR-273/87-88/Sl-1299/I.A.C./Acq. R-1/Cal.—
 Whereas, I, I. K. GAYEN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 119, situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 30-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that space No. 3 ABC on 3rd floor measuring 13400 sft, together with 4 car parking spaces in basement at 119, Park Street, Calcutta Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-12274 dated 30-9-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. K. GAYEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 A quatta Puncet
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road
 Calcutta 700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1987
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Sm. Biva Samanta,
Prasanta Kumar Samanta,
Sushanta Kumar Samanta,
Jayanta Kumar Samanta and
Smt. Krishna Samanta.

(Transferors)

(2) M/s. Dabliwala Properties (Private) Ltd.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA**

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. TR-277/86-87/SI-1300 I.A.C /Acq. R-I/C.I.—

Whereas, I,
I. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 79, situated at Lenin Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 30-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that undivided 30% share in the two storied brick built building and land measuring one bigha, 3 cottahs more or less at 79, Lenin Sarani, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No I-12181 dated 30-9-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1987
Seal :

FORM ITNB

(1) Park Chambers Limited.

(Transferor)

(2) Kalinga Commercial Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA**

Calcutta, the 10th April 1987

Ref. No. TR-278/86-87/Sl-1301 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—

Whereas, I,
I. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 119, situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 30-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that undivided half share in space No. 1C on first floor at 119, Park Street, Calcutta measuring 5225 Sft. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-12276 dated 30-9-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Raif Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/8-86/69.—Whereas, I,
ASHOK KACKER,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
C-386, Defence Colony,
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on August 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Mrs. Chaman Kashyap,
C-386 Defence Colony,
New Delhi.

(2) Mr. Amarjit Singh Johar,
C-139 Defence Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

C-386, Defence Colony, New Delhi.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4, 14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 20-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-II/37FF/8-86/70.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 18, Block No. E, East of Kailash (Swaj Parbat Residential Scheme), situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Rajesh Khanna,
Sh. Ramchand Khanna,
Smt. Meena Khanna,
Smt. Harsh Khanna,
D-44/6, East of Kailash,
New Delhi.

(2) Sh. Gulshan Lamba,
F-11/A, East of Kailash,
New Delhi.

(Transferors)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 18, Block No. E, East of Kailash, (Swaj Parbat Residential Scheme) New Delhi measuring 325 Sq. meters.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shri P. P. Sinha,
11, Chhajju Bagh,
Patna

(Transferor)

(2) Shri Kishore Chand Tichan,
Smt. Krishna Tichan,
both R/o 14, Clyde Road,
Lucknow

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-II/37EF/8-26/71—Whereas, I,
ASHOK KACKER,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000/- and bearing No

B 24, Chuagh Enclave,

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957)

B 24, Chuagh Enclave, New Delhi

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14 A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 20-4-1987
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI**

New Delhi, the 20th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-III/8-86/107.—

Whereas, I, **ASHOK KACKER**, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 302 at B-6, Kailash Colony situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer in August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. B. R. Towers Limited
A-18, Kailash Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Hoechst India Limited.
Hoechst House,
Nariman Point,
Backbay Reclamation,
Bombay-400 021.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Second Floor Flat No. 302 at B-6, Kailash Colony, New Delhi comprising of two Bedrooms, two Bathrooms, One Drawing cum Dining, One Kitchen and one servant Quarter on the terrace one uncovered Car Parking, along with 1/10th undivided share in land of the plot Area 523.7 sq. yds. Total covered area 1200 sq. ft. approx.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to be following persons, namely :—
14—87 GI/87

Date : 20-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. B. R. Towers Limited
A-18, Kailash Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Hoechst India Limited
Hoechst House,
Nariman Point,
Backbay Reclamation,
Bombay-400 021.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-III/8-86/108.—
Whereas, I, ASHOK KACKER,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 201, First Floor at B-6 situated at Kailash Colony,
New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
in August 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 201, First Floor at B-6, Kailash Colony, New
Delhi comprising of Three Bedrooms, Three Bathrooms,
One Drawing Cum Dining, One Kitchen in the first Floor
and one servant quarter on the terrace and one uncovered
Car Parking. Total Area 1500 Sq. ft. approx. along with
1/10th undivided share of land. Total plot Area of the
Flat 523.6 Sq. Yds.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 20-4-1987
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-III/8-86/109.—

Whereas, I, ASHOK KACKER,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Property bearing No. D-88 situated at Defence Colony, New
Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
in August 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Shri Benoy Kumar Roy
S/o Late Shri J. C. Roy
R/o D-88, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Daulat Ram Dewan
S/o Late Shri Jawahar Lal
Ashwani Dewan
Anil Dewan and
both sons of Shri Daulat Ram
all R/o D-1/52,
Tajpat Nagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. D-88, Defence Colony, New Delhi.
Area 330 Sq. yds.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax,
Act, 1957 (27 of 1957);

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 20-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Chandra Khurana
W/o DDr. D. R. Khurana
R/o 150, Golf Links Area,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri D. R. Sharma (HUF) Karta
S/o Shri S. R. Sharma
R/o A-128, Inderpuri,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/8-86/659A.—

Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property bearing Plot No. W-124-A measuring 500 $\frac{1}{2}$ Sq. yds./418.41 Sq. mtrs. G. K.-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. W-124-A measuring 500 $\frac{1}{2}$ Sq. Yds./418.41 Sq mtrs. situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-1987
Seal :

FORM ITNS.**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI**

New Delhi, the 10th April 1987

Ref. No. IACT(Acq)/R-VII/37-G/8-86/116.—

Whereas, I, V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
S-148, Greater Kailash-II situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on August, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer is agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Mrs Sneh Dutt
W/o Lat A. K. Dutt
S-148, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(2) Shri Ashwini Kumar
S/o Late Dr. Vishwa Nath
C-754, New Friends Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

S-148, Greater Kailash-II, Ground floor New Delhi.
Measuring 306 sq. yds.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 10-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/R-VII/37G/8-86/117.—
 Whereas, I, V. K. MANGOTRA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S 154, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Khurana Builders
E/21-A, East of Kailash,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. R. J. Kohli's HUF
S-154, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S-154, Greater Kailash-II, (1st floor) New Delhi. Measuring

V. K. MANGOTRA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-VII
 Aggarwal House
 4/14-A, Asaf Ali Road
 New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1987
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (1) Shri Anil Kumar,
4/54, Subhash Nagar, New Delhi.
(Transferor)
(2) M. s. Mahanagar Engineering (P) Ltd.,
15, India Exchange Place,
Calcutta,
(thro' its Director Sunil Daga)
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 10th April 1987

Ref. No. IAC. (Acq)/R-VII/SR-III/8-86/89.—Whereas
I. V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No S-113, Greater Kailash, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer
at New Delhi in August 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of this said Act,
shall have the same meaning as given in this
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

S-113, Greater Kailash-II, 1st floor New Delhi.
Measuring 300 sq. yds.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 10-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shri Anil Kumar,
4/54, Subhash Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Raseel Sahni,
16, Feroz Gandhi Road,
Lajpat Nagar-III, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1987

Ref. No. I.AC (Acq)/R-VII/SR-III, 8-86/88.—Whereas I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-113, Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

S-113, Greater Kailash-II, Second floor New Delhi
Measuring 300 sq. yds.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1987

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sh. Nand Gopal Arora,
A-101/13, Industrial Area, Wazirpur, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri T. N. Ganju,
B-5/47, Safdarjang Enclave, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1987

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII/37-G, 8-86/113.—Whereas I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No S-149, Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

S-149, Greater Kailash-II, Basement and Ground floor
New Delhi.
Measuring 298 sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
15—86 GI/87

Date : 10-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sh. Nand Gopal Arora,
A-101/13, Industrial Area, Wazirpur, Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Mohini Ganju,
B-5/47, Safdarjang Enclave, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1987

Ref. No I.A.C. (Acq)/R-VII/37-G/8-86/114.—Whereas I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No S-149, Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

S-149, Greater Kailash-II, 1st floor and Barsati floor New Delhi.
Measuring 298 Sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Master Aman Nagrath,
S/o Ranjit Nagrath,
2, Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. T. P. Bhatnagar,
S-171, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1987

Ref. No. IAC. (Acq)/R-VII/SR-III/8-86/95.—Whereas I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No S-171, Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

No. S-171, Greater Kailash-II, (Basement), New Delhi.
298 Sq. yds.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VII/SR-JII/8-86/90.—Whereas I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No S-171, Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Master Aman Nagrath,
S/o Ranjit Nagrath,
G-1/16, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. P. P. Bhatnagar,
S/o R. R. Bhatnagar,
171, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 171, Greater Kailash-II, Ground floor New Delhi.
298 Sq. yds.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 10-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Miss Monica Chopra,
D/o Sh. A. N. Chopra,
D-159, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Anil Kapoor,
S/o Inder Sain Kapoor,
M-53, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VII/37-G/8-86/91.—Whereas,
I. V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
15, Block-S, Greater Kailash,
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under Registration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi in August 1986
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
Instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or;

THE SCHEDULE

S-15, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 300 sq.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Kailash Nath & Associates,
1006, Kanchenjunga
18, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss. Savitri Kunadi,
Ambassador, Designate, Embassy of India,
Lima (Peru) C/o Ministry of External Affairs,
South Block, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC/Acq IV/37-EE/8-86/46.—Whereas, I,
D. K. SRIVASTAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Residential flat No. 19 on 3rd floor multistoreyed group
housing scheme "Gauri Apartment" at 3 & 4, South End
Lane,
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration
Act 1908 (16 of 1908)
in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on August 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

Residential flat No. 19, on third floor proposed multistoreyed group housing scheme "Gauri Apartment" at 3 & 4, South End Lane, New Delhi, measuring 1510 sq. feet for flat, 130 sq. feet for servant quarter on the third floor and 170 sq. feet for Terrace.

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferor for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957).

D. K. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 13-3-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC/Acq-IV/37-EE/8-86/47.—Whereas, I, D. K. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair imarket value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A Resi. flat measuring 1580 sft. one serqtr. meas. 130. sq. ft. & terrace 290 sft. on the second floor in the multistoreyed or housing scheme at 3 & 4, South End Lane situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Kailash Nath & Associates,
1006, Kanchenjunpa
18, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Sukhdeep Singh &
Mrs. Renu Singh,
43000, Twelve Oak, Crescent, Apt. B-101, Novi,
Michigan, USA.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

A Resi. flat measuring 1580 sft. one ser. qtr. Meas. 130 sq. ft. & terrace 290 sft. on the second floor in the multistoreyed gr. housing scheme at 3-4-south End Lane, New Delhi.

D. K. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-3-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC/A&q-IV/37EE/8-86/48.—Whereas, I, D. K. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. A Rest, flat meas. 1520 sft. serv. qtr. 130 sft on the second floor in 3 and 4 South End Lane, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) M/s. Kailash Nath & Associates,
1006, Kanchanjunga
18, Barakhamba Road,
New Delhi.

(2) Mr. Mohinder Singh and
Mrs. Rajinder M. Singh
P. O. Box 4713, Chamerstasse 30,
CH. 6301, ZUC Switzerland.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A Resl. flat meas 1520 sft. serv. qtr. 130 sft. on the second floor in 3 and 4 south End Lane, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. K. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13-3-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sunil Kumar Sol,
Flat 204 Sarv Priya Appts, Sarv Privea Vihar,
New Delhi-16.
(Transferor)
- (2) Satyapal Gupta, Flat-307
Sarvapriya Apartment Sarv Priya Vihar,
New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. IAC/Acq. IV/8-86/24.—Whereas, I,
D. K. SRIVASTAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Village Bijwasan Tehsil Mehrauli
situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act. 1961 in the Office
of the registering officer at IAC/Acq. Range IV on August
1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

18 Bigha 9 Biswa Khasta No. 79/9 (0-11), 79/12 (5-4)
79/13 (4-16) 79/14 (1-0) 79/17 (1-13) 79/18 (3-16) 79/
27 (0-9) and 1/8 share in joint khata of Khasra No. 79/1/
(1-10) 79/14 (1-6), 79/7 (1-6), 43/24 (1-6), 79/4 (1-6)
43/17 (1-6) free hold.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

D. K. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

16—86GI/87

Date : 13-3-1987
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAFA ALI ROAD**

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. IAC/Acq.IV/SR-III/8-86/25.—Whereas, I, D. K. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- in Vill. Gadaipur, Teh. Mehrauli, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.T. Act. 1961 IAC Range-I, New Delhi in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Maharaj Kumar Chandra Vijay Singh
S/o Maharaja Kamal Singh
R/o Dumraon Distt. Bhojpur,
Bihar.

(Transferor)

(2) Lt. Gen. M. S. Wadalia
S/o S. Hira Singh
R/o Vill. Gadaipr,
Teh. Mehrauli,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agr. Land Measuring 1 bigha and 9 biswas, (1466 sq. yds) Khasra No. 350 min, with a single storeyed house Vill. Gadaipur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

D. K. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-3-1987
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE
4, 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI**

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC/Acq. IV/SR-III/8-86/27.—Whereas, I, D. K. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Agr. Land in Vill. Jona Pur, Teh. Mehrauli, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I. T. A. 1961 IAC Range-I, New Delhi in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Nargis Malhotra,
Kumari Suparna Malhotra (minor) and
Kumari Aparna Malhotra (Minor)
J-367, New Rajinder Nagar
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Zahra Sripat Rai
6, Drumond Road,
Allahabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. Land, Measuring 20 Bighas bearing Khasra No. 5/21, 6/1, 6/9, 6/10, 6/11, 6/2, 6/12, With Farm House in Vill. Jonapur Teh. Mehrauli.

D. K. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19-76 GI/87

Date : 13-3-1987

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC/Acq. IV/SR/III/8-86-28.—Whereas, I,
D. K. SRIVASTAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
30, Hanuman Lane, Part plot No. 18, Block No. 37,
Hanuman Road,
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.T. Act.
1961 IAC Range-I, New Delhi in August 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sh. P. L. Sehgal,
2. Sh. B. L. Sehgal,
3. Sh. D. K. Sehgal,
4. Sh. B. K. Sehgal,
S/o Late Sh. R. L. Sehgal
R/o 30, Hanuman Lane,
Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Indira Manocha
W/o Sh. V. K. Manocha,
C-1 Rajouri Garden,
New Delhi.
2. Mrs Sneh Prabha
W/o Sh. S. D. Manocha
1575, Sec. 18-D, Chandigarh,
Sh. Vijay Kumar Manocha
S/o S. D. Manocha R/o
C-1 Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Measuring 41½—82½ Total area 3423.75 sq. ft.
Known as 30 Hanuman Lane, Part Plot No. 18, Block No.
137, Hanuman Road, New Delhi.

D. K. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 13-3-1987
Seal :

FORM ITN8

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-V,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1987

(1) Mrs. Bharti S. Choudhuri
W/o Late Shri Shantilal Choudhuri
R/o E-15, Geetanjali,
New Delhi.

(Transferor).

(2) Sh. Vithal
S/o Sh. Dwerkadass Bahtia &
Smt. Rani
W/o Sh. Vithal Bhatia
R/o 182-A, Sky Scapper Warden Road.
New Delhi.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 21 Anand Lok Colony, New Delhi measuring 793.30 Sq. yds. Leasehold.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. Suresh S. Kothare & Others.

(Transferor)

(2) M/s. Raja Developers (Firm).

(Transfreee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAWAN
MAHARSHI KARVE ROAD
BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 3rd April 1987

Ref. No. A.R.IIB/37EE/37675/86-87.—Whereas, I, M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 66 Bldg. known as Matru Chhaya T.P.S. No. III 7th Rd. Santacruz (E), Bombay-55 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 66, Bldg. known as Matru Chhaya—TPS No. III, 7th Road, Santacruz (E), Bombay-400 055.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIB/37EE/37675/86-87 on 22-8-1986.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. S. RAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II B
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 3-4-1987
Seal :

FORM ITN

(1) Mr. David William John Alvares

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Nilkanth S. Patharo.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAWAN
MAHARSHI KARVE ROAD
BOMBAY-400 020Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay-400 020, the 3rd April 1987

Ref. No. A.R.IIB/37EE/37804/86-87.—Whereas, I,
M. S. RAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 5-B, Bhavani Apartments, Off Carter Road, Khar,
Bombay-400 052
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269 AB of the 'said Act' in the Office of the Com-
petent Authority at
Bombay on 28-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
request of any income arising from the transfer;
and /or

THE SCHEDULE

Flat No. 5-B, Bhavani Apartments, Off Carter Road,
Khar, Bombay-400 052.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No AR IIB/37EE/37804/86-87
on 28-8-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

M. S. RAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II B
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date. 3-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Desmond Alvares,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. (Mrs.) Premila K. Datey.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAWAN
MAHARSHI KARVE ROAD
BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 3rd April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. A.R.IIB/37EE/37805/86-87.—Whereas, I, M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

5-A, Bhavani Apartments, Off Carter Road, Khar, Bombay-52

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

5-A, Bhavani Apartments, Off Carter Road, Khar, Bombay-52.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIB/37EE/37805/86-87 on 28-8-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. S. RAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II B
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 3-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mcnabai Tricundas & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gopal L. Raheja & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAWAN
MAHARSHI KARVE ROAD
BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 3rd April 1987

Ref. No. A.R.II B/37EE/37718/86-87.—Whereas, I,
M. S. RAI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding Plot No. 64 of T.P.S. II Santacruz and bearing C.T.S. Nos 189 to 194 situated at the Corner of Green Street and Tagore Road, Santacruz (W), Bombay. Area 2937 Sq. Mtrs. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property as aforesaid exceeding the apparent consideration therefore by more than 15% of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 64 of T.P.S. II Santacruz and bearing C.T.S. Nos. 189 to 194 situated at Corner of Green Street and Tagore Road, Santacruz (W), Bombay. Area 2937 Sq. Mtrs. together with structures standing thereon.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R.II/37EE/37718/86-87 on 22-8-1986.

M. S. RAI
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—86GI/87

Date: 3-4-1987

Seal:

FORM ITNS

(1) Smt. Sharda Rani & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Shantibai Girdharilal Manyal & Ors.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
 ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAWAN
 MAHARSHI KARVE ROAD
 BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 31st March 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

Ref. No. AR.IIB/37EE/37302/86-87.—Whereas, I,
 M. S. RAI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ellora Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Flat No. 12, 1st floor, 4th Road, Khar, Bombay-400 052 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the 'said Act' in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ellora Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Flat No. 12, 1st floor 4th Road, Khar, Bombay-400 052.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIB/37EE/37302/86-87 on 8-8-1986.

M. S. RAI
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II
 Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-8-1987
 Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) SKY-Build P. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Sureshkumar Laxmial Golda.

(Transeree)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
 ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAWAN
 MAHARSHI KARVE ROAD
 BOMBAY-400 020

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay-400 020, the 31st March 1987

Flat No. 102, Built up area—1065 SF Sujal, F, Plot No. M. S. RAI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Flat No. 102, Built up area—1065 SF Sujal, F, Plot No. 13, T.P.S. IV Santacruz (W), Bombay-54.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, Built up area—1065 SF Sujal, F, Plot No. 13, TPS IV, Santacruz (W), Bombay-54.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIB/37EE/37238/86-87 on 4-8-1986.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, irrespective of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. S. RAI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-3-1987

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Usha H. Sarvaiya &
Mr. Harish A. Sarvaiya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Vasumati A. Shah &
Mrs. Arvind M. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAWAN
MAHARSHI KARVE ROAD
BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 31st March 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.IIB/37EE/37284/86-87.—Whereas, I, M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 24, 6th floor, Sai Darshan Co-op. Society Ltd., S. V. Road, Santacruz (W), Bombay-400 054 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 24, 6th floor, Sai Darshan Co-op. Society Ltd., S. V. Road, Santacruz (W), Bombay-400 054.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IIB/37EE/37284/86-87 on 4-8-1986.

M. S. RAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-3-1987

Seal :

FORM ITNS

(1) Marianne Ferreira.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AYAKAR BHAVAN
MAHARSHI KARVE ROAD
BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 31st March 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

M. S. RAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102, 1st floor, "Holmcroft", S. V. Road, Santacruz, Bombay-400 054 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

Flat No. 102, Ist floor, "Holmcroft", S. V. Road, Santacruz, Bombay-400 054.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIB/37EE/37151/86-87 on 1-8-1986.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. S. RAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 31-3-1987

Seal :

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS.—

(1) N. R. Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Jain &
Shri Manoj Kumar Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 560
5TH FLOOR, AYAKAR BHAVAN
MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 31st March 1987

Ref. No. AR.IIB/37EE/37672/86-87.—Whereas, I,
M. S. RAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 600, 6th floor, 'APARNA' Central Avenue, Santa-
cruz (W), Bombay-54 situated at Bombay .
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the said Act in the Office of the
Competent Authority
at Bombay on 22/8/86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifty per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XA of the said Act,
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 600, 6th floor, 'Aparna' Central Avenue, Santa-
cruz (W), Bombay-400 054.The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.IIB/37EE/37672/86-87
on 22/8/86.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

M. S. RAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II B, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 31-3-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 560
5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN
MAILARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 31st March 1987

Ref. No. AR UB/37EE/37141 /86-87.—Whereas, I,
M. S. RAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Saidhan, No. 4A on 2nd floor, 16th Road, Khai, Bombay
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the said Act in the Office of the
Competent Authority
at Bombay on 1/8/1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Sukhbir Singh Barnal.

(Transferor)

(2) M/s. Rockitt & Colman of India Ltd.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Saidhan, No. 4A on 2nd floor, 16th Road, Khai, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR UB/37EE/37141/86-87
on 1/8/1986

M. S. RAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 31-3-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hariam A. Fatnani.

(Transferor)

(2) Shri Manohar S. Motwani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECT'ON 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 560
5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN
MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 31st March 1987

Ref. No. AR.IIB/37EE/37549 /86-87.—Whereas, I,
M. S. RAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as "the said Act"), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000/- and bearing No.
10/639, Prima Apts. Co-op. Hsg. Soc., Corner of 7th & 8th
Road, Khar (W), Bombay-400 052 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the said Act in the Office of the
Competent Authority
at Bombay on 14/8/86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

a() by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

10/639, Prima Apts. Co-op. Hsg. Soc., Corner of 7th &
8th Road, Khar (W), Bombay-400 052.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.IIB/37EE/37549 /86-87
on 14/8/86.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

M. S. RAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 31-3-1987
Seal ;

FORM I.T.N.S.

(1) Mr. Sree Narayan Misra.

(Transferor)

(2) Mr. P. L. Duggal &
Mrs. Bhavneesh B. Duggal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 560
5TH FLOOR, AYAKAR BHAVAN
MAHARSHI KARVI, ROAD, BOMBAY-400 020**

Bombay-400 020, the 31st March 1987

Ref. No. AR.IIB/37EF/37198 /86-87.—Whereas, I,
M. S. RAI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Residential Flat on 1st floor 102 Ocean View, (Deccan Co-
op. Hsg. Society Ltd.), Union Park, Khar, Bombay-400 052
situated at Bombay
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the said Act in the Office of the
Competent Authority
at Bombay on 1/8/1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer:
and/or

Residential flat on 1st floor, 102, Ocean View (Deccan
Co-op. Hsg. Society Ltd.), Union Park, Khar, Bombay-52.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.IIB/37EF/37198 /86-87
on 1/8/86.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

M. S. RAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

18—86GT, 87

Date : 31-3-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/S. R. N. A. Builders & Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Tawahafal R. Lanjai & Mrs. Manju J. Panja

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-JI, ROOM NO. 560
 3RD FLOOR, AVAKAR BHAVAN
 MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 31st March 1987

Ref. No. AR.IIB/37LE/37274/86-87.—Whereas, I, M. S. RAI, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Narendra Apartments, Flat No. 33, 3rd floor 'B' Wing, Khan Danda, Bombay-400 052 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4/8/86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Narendra Apartments, Flat No. 33, 3rd floor, 'B' Wing, Khan Danda, Bombay 400 052

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIB/37LE/37274/86-87 on 4/8/86.

M. S. RAI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range IIB, Bombay

Date : 31-3-1987
 Seal :

FORM ITNS

(1) M & R Associates

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh Sabharwal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE II A,
CONTRACTOR BUILDING, BAWALD ESTATE
BRO 1100K, R K MARG BOMBAY 400 038

Bombay-400 038, the 13th April 1987

Ref No AR II 5711 /37088/1986 87 —
Whereas I A BAIDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.

Flat No 104 Horizon View I, Off J P Road, Andheri (W), situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-8-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Flat No 102, Horizon View-I, Off J P Road Andheri (W), Bombay

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR II/37EL/37088/86 87 on 1-8-1986

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

A BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range II A, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

Date 13-4-1987
Seal

FORM ITN8

(1) M/s. K. R. Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Avtar Kaur Khambay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IIA,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 13th April 1987

Ref. No. AR II/37EE/37674/1986-87.—

Whereas, I. A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No 301, Horizon View-I, Off. J. P. Road, Andheri (W), situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-8-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 304 Horizon View-I. Off. J. P. Road, Andheri (W), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/37674/86-87 on 22-8-1986.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-4-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Tips & Toes Cosmetics Private Ltd.
(Transferor)
(2) M/s. Tips & Toes Cosmetics (India) Ltd.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IIA,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 13th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.II/37EE/37818/1986-87.—

Whereas, I, A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Gala No. 120, Andheri Industrial Estate, Veera Desai Road, Andheri (W) situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-8-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Industrial Gala No. 120, Andheri Industrial Estate, Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/37818/86-87 on 29-8-1986.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-4-1987

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIA,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 13th April 1987

Ref No AR II/37LLC/37639/1986-87.—

Whereas, I, A. ABIDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No 203, Horizon View-I, Off. J. P. Road, Andheri (W), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-86

of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. K. R. Associates.

(Transferor)

(2) Mrs. Renu Kishore Idnani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, Horizon View-I, Off. J. P. Road, Andheri (W), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37LLC/37639/86-87 on 21-8-1986.

A. ABIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 13-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Jitendranath Sagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IIA, CONTRACTOR BUILDING
BALLYARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG
BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 13th April 1987

No. AR.II/37EE/37473/1986-87.—Whereas, I,
A. BAIDYA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

Plot No. 273, Shere Punjab Housing Society, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 273 Shere Punjab Housing Society, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/37473/86-87 on 14-8-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. BAIDYA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IIA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-4-1987
 Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Raminder Kaur Chawla and
S. Ajit Singh Chawla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Omega Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IIA, CONTRACTOR BUILDING
BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG,
BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 13th April 1987

No. AR.II/37EE/37799/1986-87.—Whereas, I,
A. BAIDYA,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 Unit No. 23, of 470 Sq. Ft. Unit No. 21 or 680 and Unit No.
 24 of 470 on 3rd floor, Satam Industrial Estate, Chakala,
 Bombay-69
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and agreement is registered under
 Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
 the Competent Authority
 at Bombay on 28-8-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and
 that the consideration for such transfer as agreed to between
 the parties has not been truly stated in the said instrument
 of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

Unit No. 23 of 470 Sq. Ft. Unit No. 21 of 680 and Unit
 No. 24 of 470 on 3rd Floor, Satam Industrial Estate, Chakala,
 Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/37799/86-
 87 on 28-8-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

A. BAIDYA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IIA, Bombay

Date : 13-4-1987
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Anand Krishnaji Satam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIA, CONTRACTOR BUILDING
BALLARD ESTATE, 3RD FLOOR, R. K. MARG
BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 13th April 1987

No. AR.IIA/37FE/37405/1986-87.—Whereas, I, A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 19, 20, 21 & 22 of Satam Ind. Estate 'C', Chakala, Andheri (E), Bombay-93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 19, 20, 21 & 22 of Satnam Ind. Estate 'C' Chakala Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/37405/86-87 on 11-8-1986.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—86GI/87

Date : 13-4-1987

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Swapna Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s N G Builders & Developers

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II, ROOM NO 560, 5TH FLOOR
AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD
BOMBAY-400 020

New Delhi, the 10th April 1986

Ref No A R IIIB/37EF/37530/86-87—Whereas, I, M. S RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Swapna, S V Road, Opp Akbarallays, Plot No 52, Santa-cruz (W), Bombay-54 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Swapna, S. V. Road, Opp Akbarallays, Plot No 52, Santa-cruz (West), Bombay-54

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No AR IIIB/37FE/37530/86-87 on 14-8-1986

M. S RAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IIIB, Bombay

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely : -

Date 10-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Kishinchand Tahirram Samtani and
Mr. Ramesh Kishinchand Samtani,
through his duly constituted Attorney
Mrs. Roma Kishinchand Samtani.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR-IA/37EE/25/AR.I/12244/86-87.—Whereas, 1. NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 46, 'Sunita' New Sunita Co-op. Housing Society Ltd., Colaba, Bombay-400 005 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Hindustan Level Limited.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property).

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 46 'Sunita' New Sunita Co-op. Housing Society Ltd., Opp. Colaba Post Office, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10606/86-87 on 4-8-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Date : 8-4-1987

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Mid-Day Publications Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Network Finance & Leasing Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR-IA/37EE/36/AR.I/12340/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 81, Maker Chambers VI 220 Nariman Point, Bombay-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

81, Maker Chambers VI, 220 Nariman Point, Bombay-21

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10642/86-87 on 18-8-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dr. Guru Charan Mookerjee and
Mrs. Santa Mookerjee.

(Transferor)

(2) Mr. Ghansham G. Duseja and
Mr. Rajesh G. Duseja.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. AR-IA/37EE/34/AR.I/12330/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. P-8, 3rd floor, Petropolis, Colaba Causeway, Colaba, Bombay-400 005 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. P-8, 3rd floor, Petropolis, Colaba-Causeway, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.I/37EF/10638/86-87 on 18-8-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, BombayDate : 8-4-1987
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : —

FORM ITNS

(1) M/s. The Dandeli Ferro Alloys Pvt. Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Blumei Ltd.
(Transference(s))

(3) Transferor.
(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 8th April 1987

No. AR-IA/37EE, 50, AR.I/12493/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Nos. 161 & 162, at Mittal Court, A-Wing, 16th floor, 224 Nariman Point, Bombay-400 021 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Office Nos. 161 & 162, at Mittal Court A-Wing, 16th floor, 224 Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10691/86-87 on 25-8-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the means of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Nergiz Gustad Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Saifuddin Sk. Taherbhoy Khorakiwala.
(Transferee)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY(3) Transferee.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 8th April 1987

No. AR-IA/37EE/40/AR.I/12386/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 9B on 9th floor Clover Apartments, 29, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 9B on 9th floor, Clover Apartments, 29, Cuffe Parade, Colabo, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10698-A/86-87 on 25-8-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Robert P. D'Sa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mrs. Zainab M. Khanji and
Mr. Mohsinali Khanji.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. AR-IA/37EE/27/AR.I/12247/86 87.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. C-63, including 370 Terrace area, at 109A Wode House Road, Colaba, Bombay-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. C-63, including Terrace 370 sq. ft. at 109-A, Wode House Road, Colaba, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10609/86-87 on 4-8-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Miss Janet Vernum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I A,
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR-IA /37EE/39/AR.I/12385/86-87.—

Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 21, 2nd Floor, Satnam Apartments, Cuffe Parade, Bombay-5, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Miss Janet Vernum.
(2) Mrs. Noshina Singh & Mr. Adil Lutfi.

(Transcree)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 21, on the 2nd floor, Satnam Apartments, Cuffe Parade, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10659/86-87 on 25-8-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I A, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—86GI/87

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Boxfine Packaging Industries P. Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-1 A,
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR-IA/37EF/35/AR.I/12331/86-87.—

Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Premises No. 510, at Maker Chamber No. V Nariman Point, Bombay-21, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) M/s. East West Representatives Co. Pvt. Ltd.
(Transferee)
(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Office Premises No. 510, at Maker Chamber No. V, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10639/86-87 on 18-8-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1 A, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Arkay Wires (P) Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Esschem (Pvt.) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IA,
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR-1A/37EE/31/12294/86-87.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Office No. 415, Maker Chamber V, Nariman Point, Bombay-
21,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the same is registered under section
269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the
Competent Authority at
Bombay on 8-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Office Premises No. 415, Maker Chamber V, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10627 on 8-8-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1A, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA,
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/21 /12267/86-87.—

Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the (said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 131 & Car parking space No. 54, Persepolis, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-5.
situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 14-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Jyotibala J. Amin.

(Transferor)

(2) Mrs. Hansa L. Mehta &
Mrs. Radhika D. Kothari &
Mr. Dilip T. Kothari.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 131 & car parking space No. 54 Persepolis, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10634-A/86-87 on 14-8-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act. or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Duru D. Vaswani &
Mr. Dharamdas P. Vaswani.

(Transferor)

(2) Shri Kishin Gopal Aggarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IA,
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/38/12375/86-87.—

Whereas, I,
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 83, on the 8th floor of Sneh Sadan, Opp. Colaba Post Office, Colaba, Bombay-5.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-8-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 83 on 8th floor, Sneh Sadan, Opp. Colaba Post Office, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10653/86-87 on 25-8-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Apollo Construction.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Sri Sunder V. Shivdasani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-IA,
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/41/12393/86-87.—

Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Monica, Fazal Road, Shobani Rd., Colaba, Bombay-400 005, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Monica, on 7th floor, Fazal Road, Shobani Road, Junction Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10662/86-87 on 25-8-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 8-4-1987

Seal :

FORM ITNS

- (1) Mrs. Katy D. Mehta &
Mr. Dinshaw K. Mehta,
(Transferor)
- (2) Mr. Salim P. Shahpurwala &
Mrs. Sara T. Shahpurwala.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.IA/37EE/29/12274/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 805, 8th floor, Jamuna Sagar, Shahid Bhagat Singh Road, Near Colaba Bus Depot, Bombay-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 805, 8th floor, Jamuna Sagar, Shahid Bhagat Singh Road, Near Colaba Bus Depot, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10618/86-87 on 8-8-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/28/12264, 86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Premises No. 911, 9th Floor, 'Embassy Centre' Bldg., Nariman Point, Bombay-21 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Khaitan Holdings Corporation, (Transferor)
- (2) M/s. United Enterprises, (Transferee)
- (3) The Purchaser. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961, and shall have the same meaning as in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Premises No. 911, 9th Floor, 'Embassy Centre' Bldg., Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10614/86-87 on 4-8-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987

Seal :

FORM ITNS

- (1) Miss Tehmi Noshervan Erance & Salamat Noshervan Irani.
(Transferor)
- (2) Nooruddin Abbasbhai Kantawalla & Smt. Amina Abbasbhai Kantawalla
(Transferee)
- (3) Transferees.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR.I/37EE/12288/30/86-87.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Second Floor, Atur Apartment, Colaba, Bombay-400 005.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 2nd floor, Atur Apartment, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No AR.I/37FF/10623/86-87 on 8-8-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-consideration for such transfer as agreed to between the persons, namely.—
21—86GI 87

Date . 8-4-1987
Seal .

FORM I.T.N.S.—

- (1) Mr. Vishnukumar Poddar.
 (Transferor)
 (2) Mr. Shrikumar Poddar.
 (Transeree,
 (3) Mrs. Rukmani Devi Poddar.
 (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR.I/37EF/12303/32/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

50% undivided interest in Flat No. 35, 6th floor of CCI Chambers at Dinshaw Vachha Road, Churchgate, Bombay-20.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

50% undivided interest in Flat No. 35, on the 6th floor of CCI Chambers at Dinshaw Vachha Road, Churchgate, Bombay-20.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.I/37EF/10628/86-87 on 8-8-1986.

NISAR AHMED
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IA
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Puri Construction (Bom) Pvt. Ltd. (Transferor)
 (2) Mipco Investments Ltd.
 J. V. Patel HUF
 Sharan Investments, Sanjay A. Patel.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR.I/37EE/12326/33/86-87.—Whereas I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
Rs. 190,000/- and bearing
Shop No. 189, 1st floor, Ashoka Shopping Centre,
L.T. Marg, Bombay-1
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 8-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
thirteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

 (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of publication
of this notice in the official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning to given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 189, 1st floor, Ashoka Shopping Centre, L.T.
Marg, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No AR-I 37EF 10636 86-87 on
8-8-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Mid-day Publications Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR.I/37EE/12346/37/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMFD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 81, Maker Chambers VI, 8th floor, Nariman Point, Bombay-400 021 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Office No. 81, Maker Chambers VI, 8th floor, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No AR-I 37EE/10645, 86-87 on 18-8-1986.

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMFD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. Ocean Carriers Pvt. Ltd. (Transferor)
 (2) Mr. Prem K. Advani & Another. (Transferee)
 (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IA,
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR-1A/37, 44/12423.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 67, 12th Floor, Sunita Bldg., Cuffe Parade,
Bombay-400 005.
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering officer
Bombay on 25-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 67, 12th Floor, Sunita Bldg., Cuffe Parade, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10671 on 25-8-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987
Seal ;

FORM ITNS

- (1) The Dandeli Ferro Alloys Pvt. Ltd. (Transferor).
 (2) Western Ministil Ltd. (Transferee)
 (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IA,
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref No. AR-IA/37FE/42/12406/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 164 16th Floor, Mittal Court 'A', Nariman Point, Bombay-21 situated at Bombay . (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 164, Mittal Court A Wing, 16th Floor, 224 Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10666 on 25-8-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987

Seal :

FORM ITNS—

- (1) The dandeli Ferro Alloys Pvt. Ltd.
(Transferor)
(2) Bombay Warehousing Co. Pvt. Ltd.
(Transferee)
(3) Transferor.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IA,
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR-IA/37EE/43/12407/86-87.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Office Nos. 165 & 166 at Mittal Court, A-Wing, 16th floor,
224, Nariman Point, Bombay-21
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority at
Bombay on 25-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Office Nos. 165 & 166, at Mittal Court, A-Wing, 16th
floor, 224 Nariman Point, Bombay-400 021

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10667 on
25-8-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) Excel Apparels Exporters Pvt. Ltd. (Transferor)
 (2) Industrial Oxygen Co. (P) Ltd. (Transferee)
 (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-IA,
 BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR-IA/37EE/45/12431/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 65, 6th floor, Jolly Maker Chambers No. II, 225 Nariman Point, Bombay-21.
 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as ~~are defined~~ in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 65, 6th floor, Jolly Maker Chambers No. II, 225 Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, No. AR-I/37EE/10674/86-87 on 25-8-1986.

NISAR AHMED
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Sheela A. Ranney

(Transferor)

(2) Mr. Anil Jagesia, and
Mrs. J. L. Dudhane

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA,
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR-IA/37EE/46/12432/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 26, 4th floor, Hari Niwas, 'C' Road Churchgate, Bombay-20.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 26, 4th floor, Hari Niwas, 'C' Road Churchgate, Bombay-400 020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10675 on 25-8-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramesh S. Nadkarni & Mr. Jaideep
R. Nadkarni

(Transferor)

(2) Smt. Meena Vijay Khetan &
(2) Smt. Shanti G. Khetan

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA,
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR-IA/37EE/47/12434/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority, under sec. 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office premises No. 508 on 5th floor of Gundecha Chambers at Nagindas Master Road, Bombay-23, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Office premises No. 508 on 5th floor of Gundecha Chambers at Nagindas Master Road, Bombay-23.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10676/86-87 on 25-8-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Bharat Singh Kathiwada

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Susil C. Munsi
Dr. (Mrs.) Koshu S. Munsi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA,
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

No. AR-IA/37EE/48/12489/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12, Lotus Court, J. Tata Road, Bombay-20, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Lotus Court, J. Tata Road, Bombay-400 020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10690/86-87 on 25-8-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Mr. Deepak L. Nichani &
Deepak Lal Lachmandas Nichani (HUF)
(Transferor)
- (2) M/s Poddar Brothers Investment Pvt. Ltd.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA,
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR-IA/37EE/49/12464 '86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 707, Dalamal House Commercial Complex premises Co-op. Society Ltd., Nariman Point, Bombay-21, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Office No. 707, 7th floor, Nariman Point, Dalamal House Commercial Complex premises Co-op. Society Ltd., Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10685 on 25-8-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987

Seal :